लखनऊ

बुधवार, 29 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 330

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

हीरे की परख करनी हो तो अंधेरे का इंतज़ार करो, धूप में तो कांच भी चमकने लगते हैं।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

डीपफेक वीडियो के खिलाफ नितिन गडकरी की याचिका पर पांच अगस्त को सुनवाई करेगा मुंबई उच्च न्यायालय

मुंबई, एजेंसी। मुंबई, 28 जुलाई मुंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह एथनॉल नीति को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ अपलोड किए गए ''अपमानजनक'' 'डीपफेक वीडियो' और कृत्रिम मेधा निर्मित पोस्ट के मामले में 'मेटा', 'एक्स कॉर्प', 'गूगल एलएलसी' और अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दायर उनकी याचिका पर पांच अगस्त को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने केंद्रीय मंत्री के अधिवक्ता संदीप लड्ढा को इस दीवानी याचिका की प्रतियां प्रतिवादियों को सौंपने का निर्देश दिया। याचिका में गडकरी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के प्रसार पर स्थायी रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। 'डीपफेक' वीडियो कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से इस प्रकार तैयार किया जाता है कि उसमें कोई व्यक्ति ऐसी बातें कहता या करता दिखाई देता है, जो उसने वास्तव में कभी नहीं कही। गडकरी ने अपनी याचिका में फर्जी और मनगढ़ंत सामग्री को तुरंत हटाने तथा ऐसी सामग्रियों के प्रसार पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने दावा किया है कि एथनॉल-मिश्रित ईंधन मुद्दे को लेकर इंटरनेट पर कई फर्जी, एआई-निर्मित और मानहानिकारक पोस्ट उपलब्ध हैं। याचिका में कहा गया है कि अज्ञात लोगों ने 'डीपफेक वीडियो' और पोस्ट अपलोड तथा प्रसारित किए हैं, जिनमें उन्हें एथनॉल-मिश्रित ईंधन के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है और आरोप लगाया गया है कि इससे स्वयं केंद्रीय मंत्री और उनके परिवार को वित्तीय लाभ हुआ है।

गृह मंत्री जवाब दें कि दिल्ली में छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया : गौरव गोगोई

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में परीक्षा प्रश्नपत्र निरोधक कानून को मोदी सरकार की ''विफलता का स्मारक'' करार दिया और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को सदन में इसका जवाब देना चाहिए कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। उन्होंने सदन में 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए और यह दावा किया कि 2024 में लाया गया मूल कानून भी पेपर लीक रोकने में नाकाम रहा था और नया प्रस्तावित कानून भी अपने उद्देश्य में सफल नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''मंत्री (जितेंद्र सिंह) के वक्तव्य और विधेयक के प्रावधानों से स्पष्ट है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीर नहीं है और यह केवल दिखावे का विधेयक है।'' उनके मुताबिक, 2024 में जब इसी तरह का विधेयक लाया गया था तब सरकार ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए दावा किया था कि पेपर लीक नहीं होगा, लेकिन उसी वर्ष नीट-यूजी पेपर लीक मामले में 45 लोगों को आरोपी बनाया गया, जिनमें से अधिकतर को जमानत मिल चुकी है। उनका कहना था कि मामले के कथित मास्टरमाइंड को भी जमानत मिल गई।

पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त नाबालिगों और बिना आपराधिक रिकॉर्ड वालों को रिहा करने के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अंतरिम आदेश जारी किया है। अदालत ने 18 वर्ष से कम उम्र के ऐसे छात्र प्रदर्शनकारियों को रिहा करने का निर्देश दिया है, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। साथ ही, पात्र छात्रों के खिलाफ किसी भी तरह की जबरन कार्रवाई पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

क्या सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस कार्रवाई की स्वतंत्र जांच के संकेत दिए?

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि छात्रों पर पुलिस की कथित ज्यादती के आरोप प्रथम दृष्टया निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग करते हैं। अदालत ने कहा कि पूरे मामले की पारदर्शी जांच के लिए आगे चलकर स्वतंत्र समिति या विशेष जांच दल (SIT) के गठन पर भी विचार किया जा सकता है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने उन सभी राज्यों को निर्देश दिया, जहां प्रदर्शन हुए थे, कि सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी कैमरा फुटेज, वायरलेस संचार रिकॉर्ड, पीसीआर लॉग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। अदालत ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों से जुड़ा डिजिटल डेटा सुरक्षित रखा जाए, लेकिन उसे सार्वजनिक न किया जाए।

क्या सभी प्रदर्शनकारियों को राहत मिलेगी?

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जबरन कार्रवाई से राहत केवल उन छात्र प्रदर्शनकारियों को मिलेगी, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। अदालत ने कहा कि यह सुरक्षा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर लागू नहीं होगी। पीठ ने दिल्ली सरकार को दर्ज एफआईआर की जांच जारी रखने की अनुमति दी, लेकिन कहा कि सुनवाई पूरी होने तक पात्र छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई जबरन कार्रवाई नहीं की जाएगी।

राज्यों से भी मांगा गया जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, केरल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों से याचिकाओं में लगाए गए आरोपों पर जवाब तलब किया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों के साथ-साथ प्रदर्शन के दौरान घायल हुए 200 से अधिक पुलिसकर्मियों के मामलों की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अदालत ने कहा कि जिसने भी कानून अपने हाथ में लिया है या अपनी सीमा से बाहर जाकर कार्रवाई की है, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कदम उठाए जाने चाहिए।

लोकतंत्र में आंदोलन होते रहेंगे, जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की जांच हो, जवाबदेही भी तय हो

देश के अलग-अलग हिस्सों में छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की ज्यादतियों के बारे में दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूछा कि जवाबदेही तय करने के लिए स्वतंत्र जांच क्यों नहीं कराई जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि देश भर में छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई घटनाओं की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का कहना है कि विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, और देश भर में सार्वजनिक प्रदर्शनों और विरोध-प्रदर्शनों पर पुलिस की प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने के लिए एक स्पष्ट प्रोटोकॉल की आवश्यकता है। यह बात भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि सिर्फ़ इसलिए पुलिस की ज्यादतियों को सही नहीं ठहराया जा सकता कि कोई आंदोलन चल रहा है। बेंच ने ₹संतुलित₹ रवैया अपनाने की बात कही और कहा कि असामाजिक तत्वों की हरकतों पर सज़ा मिलनी चाहिए। पिछले हफ़्ते दिल्ली के जंतर-मंतर और कई अन्य शहरों में पेपर लीक को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई सवालों के घेरे में रही है। दिल्ली में, प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पैलेट गन का इस्तेमाल किए जाने के बाद सुरक्षाकर्मी मुश्किल में पड़ गए हैं; इस कार्रवाई में कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

आप लोग गंदगी, बदसूरती और कचरा दिखा रहे जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर भड़कीं कंगना

फिल्म अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों और Gen Z लोगों के व्यवहार पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। कंगना ने इन Gen Z प्रदर्शनकारियों की रील्स की भाषा, शैली और दृश्यों को "उल्टी लाने जैसा", "अशिष्ट" और "परेशान करने वाला" करार दिया, साथ ही उन्होंने उनके सही तरीके के पालन-पोषण पर सवाल खड़े किए। साथ ही कंगना ने इन प्रदर्शनकारियों के व्यवहार की तुलना भारत की वास्तविक विरासत से भी की। उन्होंने भारत को "लालित्य से भरपूर और सांस्कृतिक परिपक्वता में रचा-बसा" देश बताया। उन प्रदर्शनकारियों पर निशाना साधते हुए जो मजाक या व्यंग्य में खुद को "कॉकरोच" (कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन की ओर इशारा) कहते हैं, वह कहती हैं कि वे वास्तव में उन्हीं की तरह व्यवहार कर रहे हैं और दुनिया को अपनी "गंदगी, कचरा और बदसूरती" दिखा रहे हैं। वह अंत में कहती हैं कि सोशल मीडिया पर आए इन वीडियोज को देखकर वह स्तब्धहो गईं और उन्हें इससे उबरने के लिए "डिजिटल डिटॉक्स" यानी सोशल मीडिया से दूरी की जरूरत है।

असम में बाढ़ का कहर जारी, पीएम मोदी ने कहा– पीड़ितों को बचाने केंद्र–राज्य सरकारें एकसाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार राज्य में बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मोदी ने संसद भवन परिसर में असम के केंद्रीय मंत्रियों और बीजेपी सांसदों से मुलाकात के बाद यह बात कही। इस साल अब तक बाढ़ के कारण 68 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने 'X' पर एक पोस्ट में कहा कि असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं।

बैठक में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने भाग लिया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, बाढ़ से छह जिलों - शिवसागर, गोलाघाट, चराइदेव, जोरहाट, नागांव और कामरूप (महानगर) में 4,45,495 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ की वजह से कुल 90 राहत कैंप चल रहे हैं, जिनमें 28,695 लोगों को आश्रय दिया गया है। इसके अलावा, राहत सामग्री बांटने वाले 94 केंद्र भी काम कर रहे थे।

बुलेटिन के अनुसार, NDRF, SDRF और सिविल डिफेंस के जवानों समेत कई एजेंसियां बचाव और राहत का काम कर रही हैं और प्रभावित इलाकों में 67 नावें तैनात की गई हैं। ASDMA ने बताया कि 37,139.52 हेक्टेयर फसल वाला इलाका अभी भी पानी में डूबा हुआ है और 26,679 जानवर बह गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित जिलों के अलग-अलग हिस्सों से घरों, सड़कों और दूसरे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की खबरें मिली हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ; किसी नई मौत की खबर नहीं है और कई जिलों में पानी का स्तर घट रहा है। उन्होंने कहा कि एक केंद्रीय टीम ने मौजूदा बाढ़ की मार झेल रहे सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में से एक, शिवसागर का दौरा किया और राज्य के पूर्वी हिस्सों में हालात का जायजा लिया।

बलिया में जालसाजी के जरिये नौकरी हासिल करने के आरोप में सरकारी शिक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बलिया। जिले के सरकारी प्राथमिक विद्यालय के एक शिक्षक के विरुद्ध धोखाधड़ी, जालसाजी के जरिये नौकरी हासिल करने के आरोप में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, नवानगर शिक्षा क्षेत्र के खंड शिक्षा अधिकारी पंकज कुमार सिंह की तहरीर पर सोमवार की रात नगरा थाना में बेलसड़ी गांव के सरकारी कम्पोजिट विद्यालय के शिक्षक शिवनाथ यादव के विरुद्ध बीएनएस की धारा 318(4), 319(2), 336(3), 338 और 340(2) के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। खंड शिक्षा अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि शिवनाथ यादव छह दिसंबर, 1999 को शिक्षक के पद पर सेवायोजित हुआ था। भीमपुरा थाना क्षेत्र के खूंटा बहोरवां गांव के अजीत कुमार यादव ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिवनाथ यादव की नियुक्ति को लेकर शिकायत की थी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने इस शिकायत की जांच के बाद शिवनाथ यादव को 24 मार्च, 2026 को बर्खास्त कर दिया था। थाना प्रभारी संजय मिश्र ने बताया कि पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अखिलेश यादव का सरकार पर तंज, 'एक प्रधान' को हटाकर 'प्रधानमंत्री' को बचा लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में पेपर लीक के खिलाफ़ संशोधन बिल पर चल रही बहस के दौरान SP के ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने एक 'प्रधान' को बचाने के लिए दूसरे 'प्रधान' को हटा दिया है। अखिलेश यादव ने 'प्रधान' शब्द का मज़ाकिया अंदाज़ में इस्तेमाल करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा कि जब मंत्री (पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान) (संसद) पहुँचे, तो सदन के बाहर उनका स्वागत किया गया। सोचिए सदस्यों को कितनी बड़ी राहत मिली होगी और वे किस बड़े संकट से बच गए। एक 'प्रधान' को हटाकर, आपने असल में 'प्रधानमंत्री' को बचा लिया। अखिलेश यादव ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कामकाज को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की और सवाल उठाया कि देश की सबसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थाओं में से एक का काम आउटसोर्स क्यों किया गया है। अखिलेश यादव ने लोकसभा में उन NEET उम्मीदवारों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने आत्महत्या कर ली थी। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव का दावा है कि उत्तर प्रदेश में BJP के शासनकाल में 10 वर्षों के दौरान 20 बार परीक्षा के पेपर लीक हुए। उन्होंने पार्टी की एक विशेष पुस्तिका से परीक्षा पेपर लीक की सूची भी पढ़कर सुनाई। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समस्या कानूनों की नहीं, बल्कि नीयत की है। उन्होंने कहा कि मैं दूर से ही विरोध-प्रदर्शन देख रहा था।

मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटलों और ढाबों में मांसाहार पकाने और परोसने पर लगा प्रतिबंध

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित होटलों और ढाबों में मांसाहार भोजन पकाने और परोसने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इसके साथ ही ढाबा मालिकों को प्याज और लहसुन का उपयोग नहीं करने तथा अपने नाम का विवरण प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुजफ्फरनगर (उप्र), 28 जुलाई उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित होटलों और ढाबों में मांसाहार भोजन पकाने और परोसने पर प्रतिबंध लगाया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा, ''यह व्यवस्था हर साल लागू रहती है।

कांवड़ यात्रा से पूर्व खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जिले में श्रद्धालुओं के लिए विशुद्ध और सुरक्षित खाद्य सुनिश्चित करने के लिए पूरे यात्रा मार्ग पर दुकानों, होटलों और ढाबों की जांच का अभियान चलाया है।'' सहायक आयुक्त, खाद्य अर्चना धीरन ने मंगलवार को बताया कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटलों और ढाबों में मांसाहार भोजन पकाने और परोसने पर प्रतिबंध लगाया गया है और इन होटल और ढाबों को खाने में प्याज और लहसुन का उपयोग नहीं करने को भी कहा गया है। उन्होंने कहा कि होटल और ढाबे हर साल इस नियम का पालन कर रहे हैं। नए होटल या ढाबों को विभाग द्वारा इस बारे में सूचना दी जाती है।

खाद्य वस्तुओं की जांच के लिए अधिकारियों की छह टीमें गठित की गई हैं। धीरन ने कहा कि खाद्य सुरक्षा उपायों के लिए कदम उठाए गए हैं और खानपान की दुकानों को मालिकों का विवरण, लाइसेंस और खाद्य सुरक्षा कनेक्ट ऐप क्यूआर कोड प्रदर्शित करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि जिले के अधिकारियों ने अधिक मूल्य वसूली रोकने के लिए 21 आवश्यक वस्तुओं की मानक दरें तय की हैं।

तेजस्वी यादव का बड़ा दावा, बोले- राजद की जीत साफ, भाजपा को घेरा

पटना, एजेंसी। बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को भरोसा जताया कि उनकी पार्टी बिहार में होने वाले बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल करेगी। यादव ने ANI से कहा कि हम साफ़ तौर पर चुनाव जीतने जा रहे हैं। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए, RJD के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने BJP पर बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र के युवाओं, किसानों और महिलाओं को धोखा देने का आरोप लगाया। यादव ने सिवान में NEET विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा कथित तौर पर AK-47 राइफलों के इस्तेमाल की औपचारिक न्यायिक जांच की मांग की।

उन्होंने कहा कि पार्टी के सदस्य और हमारे उम्मीदवार लगातार चुनाव क्षेत्र में प्रचार कर रहे हैं... जब चुनाव में किए गए वादों की बात आती है, जैसे करोड़ों नौकरियां देना या महिलाओं को ₹2 लाख देना, तो BJP के वादों और असल में ज़मीन पर जो हुआ, उसके बीच बहुत बड़ा फ़र्क रहा है... हमें पूरा भरोसा है कि हम यह चुनाव जीतेंगे। लोग देख रहे हैं कि BJP ने युवाओं, किसानों और महिलाओं को कैसे धोखा दिया है... दूसरी बात, हमने जो मांगें रखी थीं, उन्हें लेकर हमने सरकार को अल्टीमेटम दिया था। मैंने खुद मुख्यमंत्री को संदेश भेजकर चेतावनी दी थी कि अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो बड़ा आंदोलन होगा। दबाव में आकर उन्हें दो मुद्दों पर झुकना पड़ा। जब जनता सड़कों पर उतरती है, तो सरकार को झुकना ही पड़ता है। हम अभी भी AK-47 वाली घटना की न्यायिक जांच की मांग कर रहे हैं।

भारत के चुनाव आयोग ने तीन विधानसभा क्षेत्रों - मध्य प्रदेश में दतिया, गुजरात में मंज़लपुर और बिहार में बांकीपुर - के लिए उपचुनावों की घोषणा की है। मतदान 30 जुलाई को होगा और वोटों की गिनती 3 अगस्त को होगी। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफ़े के बाद बाकीपुर सीट खाली हो गई। कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती के अयोग्य घोषित होने के कारण दतिया निर्वाचन क्षेत्र खाली हो गया। बीजेपी विधायक योगेशभाई नरनदास पटेल के निधन के बाद मंज़लपुर सीट खाली हो गई।

प्रदेश में 15 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, तरुण गाबा लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। यूपी सरकार ने 15 सीनियर आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। तरुण गाबा को लखनऊ का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। अशोक मुथा डीजी फायर सर्विस बनाए गए हैं। तबादला सूची के अनुसार, आईपीएस मधुर अशोक जैन को पुलिस महानिदेशक मुख्यालय से पुलिस महानिदेशक अग्निशमन एवं आपात सेवाएं बनाया गया है। अमरेन्द्र कुमार सेंगर को पुलिस आयुक्त, लखनऊ से पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना मुख्यालय भेजा गया है, जबकि राम कुमार को लखनऊ रेंज से गोरखपुर जोन का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। नवीन अरोरा को तकनीकी सेवाओं से वाराणसी जोन और पीयूष मोर्डिया को वाराणसी जोन से प्रयागराज पुलिस आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है।

इसी क्रम में संजय गुप्ता को पुलिस मुख्यालय से एडीजी, कानून-व्यवस्था, तरुण गाबा को पुलिस आयुक्त, लखनऊ, और धर्मेंद्र सिंह को प्रयागराज रेंज का पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा मोहित गुप्ता, विनीत कुमार सिंह, राजेंद्र कुमार, आनंद प्रकाश तिवारी, अरुण कुमार सिंह तथा आनंद कुमार सहित अन्य अधिकारियों को भी नई तैनाती दी गई है। सरकार का कहना है कि यह फेरबदल पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह तथा सुचारु बनाने के उद्देश्य से किया गया है। नई तैनाती के बाद अधिकारियों से जल्द कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

नीलगाय से टकराकर अधेड़ की मौत

कुड़वार सुल्तानपुर। घर से बाइक से विकास भवन ड्यूटी पर जा रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नीलगाय से टकराकर घायल हो गए।गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर शव मर्चुरी में रखवा दिया। मंगलवार को स्थानीय थाना क्षेत्र के बांसी गांव निवासी जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ लाल सिंह (53) पुत्र स्व तेज बहादुर सिंह दोपहर में घर से विकास भवन ड्यूटी करने जा रहे थे।तभी रास्ते में सुल्तानपुर हलियापुर मार्ग पर नगर कोतवाली क्षेत्र में पैगापुर गांव के पास नीलगाय से टकराकर घायल हो गए।गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर शव मर्चुरी में रखवा दिया। सूचना पर पहुंचे परिजनो की सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस ने पंचनामा करके शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।

महिला ने प्रेमी और पति संग की पहले प्रेमी की हत्या, दिनभर बेड के नीचे रखी लाश, फिर बाइक से नहर में फेंकी

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को नहर में फेंक दिया। 2 मई को जब नहर से शव मिला तो पुलिस ने मामले की जांच की, जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। फिलहाल पुलिस ने आरोपी महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, अलीगढ़ के हरदुआगंज थाना इलाके के सिकंदरपुर माछुआ गांव के पास 2 मई 2026 को गंग नहर में मिले शव की पहचान खैर के सहरोई गांव निवासी अमित (25) के रूप में हुई है। अमित के परिजन ने उसकी हत्या का दावा किया था।

पुलिस ने प्रेम प्रसंग के आधार पर जांच शुरू की। जांच के बाद पुलिस ने अमित की प्रेमिका कल्पना और उसके दूसरे प्रेमी लोकेश को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय के आदेश पर सोमवार को जेल भेज दिया गया है। हत्या में शामिल कल्पना का पति संजू अभी भागा हुआ है। अमित के शव की शिनाख्त 85 दिन बाद हो पाई थी।

खैर थाना क्षेत्र के गांव सहरोई निवासी वेदप्रकाश ने बताया कि वह पांच भाई हैं। चौथे नंबर के भाई अमित का जवां थाना इलाके की नई बस्ती रामपुर स्थित ननिहाल में पड़ोसी महिला के साथ संपर्क था। इसके चलते वह अक्सर वहां जाता रहता था। इसकी भनक लगने पर परिजन ने डांटा तो वह 30 अप्रैल को घर से निकला आया और फिर नहीं लौटा।

कॉल करने पर स्विच ऑफ मिला फोन

उसके कुछ दिन बाद गुस्सा शांत होने पर लौट आने की उम्मीद पर परिजन ने कई दिन तक फोन नहीं किया। बाद में कॉल करने पर फोन स्विच ऑफ आने लगा। काफी खोजबीन के बावजूद कोई पता नहीं चला तो खैर थाने में सूचना दी जहां से जवां थाने के लिए भेज दिया गया। 23 जुलाई को वह जवां थाने पहुंचे जहां से हरदुआगंज क्षेत्र में मिले अज्ञात शव के फोटो दिखाए गए। इसके बाद उन्होंने हरदुआगंज थाने आकर कपड़ों व शव के अन्य फोटो देखकर उसकी शिनाख्त अपने लापता भाई अमित के रूप में की।

प्रेम प्रसंग में की हत्या

थाना प्रभारी निरीक्षक हरिभान सिंह राठौर ने बताया कि अमित के परिजन ने प्रेम प्रसंग के कारण हत्या की बात कही थी। पुलिस ने लोकेश, निवासी महाराजपुर थाना अहमदगढ़, बुलंदशहर और कल्पना पत्नी संजू निवासी रामपुर थाना जवां को हरदुआगंज से कासिमपुर की तरफ शेरगढ़ जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया। कल्पना ने पूछताछ में बताया कि अमित से उसके पांच साल से अवैध संबंध थे। उसके पास कुछ फोटो वीडियो थे, जिनके जरिये वह कुछ समय से ब्लैकमेल कर धमका रहा था। इसी दौरान कल्पना की दोस्ती बुलंदशहर के लोकेश से हुई जिसकी दोस्ती उसने पति संजू से भी करा दी। 30 अप्रैल 2026 को अपने घर से निकलते समय अमित ने उसके घर आने के लिए फोन किया। कल्पना ने लोकेश को घर बुला लिया और देर रात लोकेश ने अमित के सिर पर लोहे के पाइप से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

बाइक, लोहे का पाइप और लोकेश का कड़ा बरामद

शव को गंग नहर में फेंकने में संजू ने लोकेश का साथ दिया था। कल्पना की निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर से हत्या में प्रयुक्त बाइक, लोहे का पाइप व लोकेश का कड़ा बरामद कर लिया। न्यायालय के आदेश पर दोनों हत्यारोपियों को जेल भेजा गया है। संजू की तलाश की जा रही है।

तड़के पहर की हत्या, दिन भर घर में बेड के नीचे रखा शव

हरिभान सिंह राठौर ने बताया कि अमित के आने की जानकारी पर कल्पना ने लोकेश के साथ मिलकर हत्याकांड की साजिश रच डाली और तड़के पहर घर पहुंचे अमित को बातों में उलझाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद खून बहने पर गमछे से लेकर बोरे तक का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान एक मई की सुबह होने पर पकड़े जाने के डर से दिनभर शव को बोरे में लपेटकर बेड के नीचे छुपाए रखा। रात होने पर लोकेश और संजू ने बाइक पर शव रखकर उसे कासिमपुर में अपर गंग नहर में फेंक दिया। इधर कल्पना ने सबूत मिटाने के लिए कच्चे मिट्टी के फर्श पर गोबर का लेपन कर दिया जिससे खून के निशान और बदबू दोनों मिट गए।

मैदे पर नहाना, पैरों से रौंदना... नोएडा की सोया चाप फैक्ट्री का वीडियो देख दंग रह जाएंगे

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक कथित वीडियो ने सोया चाप खाने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। करीब 36 सेकंड के इस वीडियो में दो युवक कथित तौर पर सोया चाप बनाने के लिए तैयार किए गए मैदे के ऊपर नहाते और उसे पैरों से रौंदते नजर आ रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो गौतम बुद्ध नगर की किसी सोया चाप फैक्ट्री का है। हालांकि, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने अभी तक वीडियो की लोकेशन की पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि जमीन पर बड़ी मात्रा में सोया चाप बनाने का मिश्रण या मैदा फैला हुआ है। इसी दौरान एक युवक अपने कपड़े उतारकर उस मिश्रण के ऊपर लेट जाता है और दूसरा युवक उसके ऊपर पानी डालता हुआ दिखाई देता है। वीडियो में दोनों युवक हंसी-मजाक करते हुए उसी मिश्रण को पैरों से रौंदते भी नजर आ रहे हैं। यदि यह वीडियो वास्तविक और प्रामाणिक साबित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने नाराजगी जताई है। कई यूजर्स ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और फैक्ट्रियों में साफ-सफाई को लेकर सवाल उठाए हैं। वहीं, लोगों ने संबंधित फैक्ट्री के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की है।

वायरल वीडियो पर एक्शन

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त सर्वेश कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो विभाग के संज्ञान में आया है। शुरुआती जानकारी में इसे नोएडा के सेक्टर-27 स्थित किसी फैक्ट्री का बताया गया था, लेकिन जांच के दौरान वहां इस तरह की कोई फैक्ट्री नहीं मिली। इसके बाद विभाग की टीम गौतम बुद्ध नगर में संचालित सभी सोया चाप निर्माण इकाइयों का निरीक्षण कर रही है।

खाद्य सुरक्षा को लेकर सवाल

अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल यह पुष्टि नहीं हुई है कि वीडियो गौतम बुद्ध नगर का ही है। वीडियो की लोकेशन, समय और उसमें दिख रहे लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि जांच में वीडियो सही पाया जाता है और संबंधित फैक्ट्री की पहचान हो जाती है, तो खाद्य सुरक्षा कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल खाद्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर वायरल दावों को लेकर सतर्क रहें और जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर न पहुंचें। वहीं विभाग का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी।

मुख्यमंत्री को 21 सूत्रीय ज्ञापन, निस्तारण न होने पर शिक्षक दिवस से आमरण अनशन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा संघ (ठकुराई) के प्रांतीय आह्वान पर आज मंगलवार (28 जुलाई 2026) को शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरी। शिक्षा और शिक्षक हित में संगठन के पदाधिकारियों ने जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश से मुलाकात की। उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित एक 21 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। यह कार्यक्रम जिला अध्यक्ष शिवनंदन यादव और जिला मंत्री डॉ अजय कुमार सिंह के संयुक्त नेतृत्व में संपन्न हुआ।मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजने के साथ ही प्रांतीय पदाधिकारियों ने जिला विद्यालय निरीक्षक को स्थानीय स्तर की समस्याओं से जुड़ा एक 4 सूत्रीय मांग पत्र भी सौंपा। जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश ने सभी स्थानीय समस्याओं के त्वरित और समुचित निस्तारण का भरोसा दिया है। हालांकि जिला मंत्री डॉ. अजय कुमार सिंह ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तय समय के भीतर जनपदीय समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो शिक्षक समाज चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने एलान किया कि समस्याओं का हल न होने की स्थिति में आगामी 5 सितंबर (शिक्षक दिवस) से समाधान होने तक डीआईओएस परिसर में आमरण अनशन शुरू किया जाएगा।ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक और पदाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य रूप से एहतेशाम हुसैन, अरविंद सिंह, सुनील कुमार सिंह, लाल रत्नाकर सिंह, राजीव कुमार, धर्मेंद्र कुमार, सुरजीत राणा, चंद्र मौली यादव, पवन कुमार, डॉ रंजीत, चंद्रभान तिवारी, मनोज कुमार वर्मा, अभिषेक कुमार यादव, संजय सिंह, देवेश चंद्र, अच्छेलाल वर्मा, विजय भारती, राजबहादुर, सतीश कुमार मिश्रा, अमरेंद्र कुमार यादव, सुजीत कुमार यादव, उपकार श्रीवास्तव, संदीप सिंह, सुरजीत, रोहन, सुधीर, छोटेलाल, धर्मेंद्र पांडे और तुलसीराम समेत कई शिक्षक साथी मौजूद रहे।

राजकीय सम्मान के साथ लोकतंत्र सेनानी को अंतिम विदाई

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील के पूरे पांडे तिरहुत गांव में सोमवार को देशभक्ति, सम्मान और भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। वरिष्ठ लोकतंत्र सेनानी राम अभिलाष पांडे (83) को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। गार्ड ऑफ ऑनर की गूंजती सलामी और ष्अमर रहेंष के नारों के बीच उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गईं। उनका जीवन लोकतांत्रिक मूल्यों, राष्ट्रसेवा और जनहित के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण रहा।लोकतंत्र सेनानी के निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्रशासन की ओर से उपजिलाधिकारी प्रभात सिंह एवं क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके राष्ट्रहित में किए गए योगदान को नमन किया। थाना प्रभारी हलियापुर अतुल कुमार श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ पूरे कार्यक्रम में मौजूद रहे।पुलिस लाइन से पहुंचे जवानों ने पूरे सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। हेड कांस्टेबल बृजेश कुमार, उमाकांत, सुधीर कुमार, विनय कश्यप और नौशाद ने अंतिम सलामी देकर राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को सम्मानपूर्वक नमन किया। इसके बाद उनके पुत्र राम प्रसाद पांडे ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की सभी धार्मिक परंपराएं निभाईं। अंतिम यात्रा में कांग्रेस नेता रामदेव पांडे, कृष्ण नारायण पांडेय, रामदर्शन साहू, श्याम नारायण पांडेय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्रामीण एवं शुभचिंतक शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में कहा कि राम अभिलाष पांडे का जीवन लोकतंत्र, राष्ट्रप्रेम और जनसेवा के लिए समर्पित रहा तथा आने वाली पीढ़ियां उनके आदर्शों से प्रेरणा लेती रहेंगी।देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित इस कर्मयोगी को दी गई राजकीय विदाई ने यह संदेश दिया कि राष्ट्र और लोकतंत्र की सेवा करने वालों का सम्मान समाज और सरकार दोनों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। स्वर्गीय राम अभिलाष पांडे की स्मृतियां सदैव क्षेत्रवासियों के हृदय में जीवित रहेंगी।

ग्रामीणों के मकानों के सामने लगाया गया विद्युत ट्रांसफार्मर

बल्दीराय, सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के ग्राम बघौना में वलीपुर/देहली मार्ग पर बने कई मकानों के ठीक सामने विद्युत ट्रांसफार्मर लगाए जाने से ग्रामीणों में भय और आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रांसफार्मर रिहायशी मकानों के बेहद करीब होने के कारण हमेशा किसी अनहोनी की आशंका बनी रहती है।ग्रामीणों के अनुसार, घरों के सामने छोटे-छोटे बच्चे खेलते रहते हैं और परिवार के सदस्य भी दिनभर उसी स्थान से आते-जाते हैं। ऐसे में ट्रांसफार्मर में किसी प्रकार की तकनीकी खराबी, स्पार्किंग या दुर्घटना होने की स्थिति में गंभीर हादसा हो सकता है। बरसात के मौसम में यह खतरा और भी बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने संबंधित विद्युत विभाग से मांग की है कि जनहित और सुरक्षा को देखते हुए ट्रांसफार्मर को आबादी से दूर किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

ऑरेंज अलर्ट के बीच मुरादाबाद में झमाझम बारिश, गर्मी से राहत पर कई इलाकों में भरा पानी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। जिले में सुबह से शहर में तेज बारिश का दौर जारी है। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे, हल्की हवा चलती रही और बादलों की गरज के साथ लगातार वर्षा होती रही। बारिश से उमस भरी गर्मी से लोगों को काफी राहत मिली। मौसम विशेषज्ञों ने अगले दो दिन भी तेज वर्षा की संभावना जताई है।

हालांकि, लगातार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। रामगंगा विहार, स्टेडियम रोड, अकबर किले के सामने, सम्राट अशोक नगर, विकास नगर, सूर्य नगर और कटघर समेत कई स्थानों पर सड़कों पर पानी भर गया, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

धान के साथ इन खरीफ फसलों के लिए भी लाभदायक बारिश

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह बारिश धान की रोपाई के बाद सबसे अधिक लाभकारी है। इससे खेतों में पर्याप्त नमी बनी रहेगी और सिंचाई की आवश्यकता कम होगी। इसके अलावा मक्का, गन्ना, बाजरा, ज्वार, उड़द, मूंग, सोयाबीन, तिल और अरहर जैसी खरीफ फसलों को भी इसका फायदा मिलेगा। पर्याप्त नमी मिलने से पौधों की बढ़वार बेहतर होगी और किसानों की सिंचाई लागत भी घटेगी।

सोमवार को हुई थी 20.1 मिलीमीटर बारिश

इससे पहले सोमवार दोपहर शहर में 20.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। दोपहर करीब 1:30 बजे शुरू हुई बारिश शाम छह बजे तक रुक-रुक कर होती रही। झमाझम बारिश से उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली थी, लेकिन शहर के कई हिस्से जलमग्न हुए थे, जिससे जलभराव के बीच लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्कूलों की छुट्टी के समय बारिश शुरू होने से बच्चों को भीगते हुए घर लौटना पड़ा था। कई बच्चों के बैग और किताबें भी भीग गईं। लंबे समय से उमस और पसीने से परेशान लोग बारिश में भीगकर मौसम का आनंद लेते नजर आए थे।

भारत सरकार से मिली अनुमति, गंगा एक्सप्रेसवे पर दो रेस्ट एरिया में जल्द मिलेगी सीएनजी

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। गंगा एक्सप्रेसवे पर अभी तक सीएनजी से संचालित वाहन जाने से कतरा रहे हैं। कारण भी स्पष्ट है एक्सप्रेसवे के प्रथम पैकेज के 130 किमी के सफर में सीएनजी उपलब्ध नहीं है।

हालांकि इस दूरी में यूपीडा ने दो स्थानों पर रेस्ट एरिया स्थापित कराए हैं जिनमें पेट्रोल, डीजल, ईवी चार्जिंग स्टेशन, शौचालय, भोजन समेत विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन एक्सप्रेसवे के शुरू होने के लगभग तीन महीने बाद भी सीएनजी उपलब्ध नहीं हो सकी है। यूपीडा और संचालनकर्ता एजेंसी के अधिकारियों की माने तो भारत सरकार से अब इसकी अनुमति मिल गई है। जल्द दोनों रेस्ट एरिया में सीएनजी मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 अप्रैल को गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया था। मेरठ से प्रयागराज तक जाने वाले 594 किमी लंबे इस एक्सप्रेसवे का निर्माण और संचालन चार पैकेज में किया जा रहा है। पहला पैकेज मेरठ से बदायूं तक 130 किमी लंबा है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर अभी सीएनजी से संचालित वाहनों को उनके मालिक ले जाने से कतरा रहे हैं। कारण है यहां सीएनजी उपलब्ध न होना। यूपीडा ने प्रथम पैकेज के 130 किमी में अमरोहा और संभल के पास कुल दो स्थानों पर रेस्ट एरिया बनाए हैं।

इन दोनों स्थानों पर यात्रियों के लिए फूड कोर्ट, शौचालय के साथ वाहनों के लिए पेट्रोल, डीजल, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन, हवा की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। दोनों ही रेस्ट एरिया में सीएनजी पंप भी स्थापित किया जाना था लेकिन इसमें विलंब हो गया।

ईरान-अमेरिका युद्ध बना बाधा, अब मिली नए स्टेशन की अनुमति

यूपीडा और गंगा एक्सप्रेसवे के प्रथम पैकेज की संचालनकर्ता एजेंसी आइआरबी इंफ्रा के अधिकारियों की माने तो ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध के कारण सीएनजी का संकट बन गया था। जिसके चलते नए स्टेशनों की प्रक्रिया अटक गई थी। गंगा एक्सप्रेसवे पर स्थापित होने वाले सीएनजी के दोनों नए स्टेशनों को भी इसी कारण भारत सरकार से अनुमति नहीं मिल सकी थी। अब यह अनुमति मिल गई है। जल्द दोनों रेस्ट एरिया में सीएनजी स्टेशन काम करने लगेंगे।

अभी टैंकर से होगी आपूर्ति, बाद में मिलेगी ऑनलाइन सुविधा

संचालनकर्ता एजेंसी आइआरबी इंफ्रा के मुख्य महाप्रबंधक अनूप सिंह ने बताया कि सीएनजी की आपूर्ति के यह क्षेत्र मेघा गैस एजेंसी को आवंटित है।दोनों रेस्ट एरिया में सीएनजी की आपूर्ति के लिए स्टेशन तैयार हैं।उनमें तैयारियां भी पूरी हैं।अभी पहले टैंकर के माध्यम से यहां गैस उपलब्ध कराई जाएगी।जल्द लाइन तैयार कराकर ऑनलाइन गैस आपूर्ति कराई जाएगी।

सड़क दुर्घटना में श्रद्धालु की मौत, बाइक सवार घायल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। दर्शन करने गए श्रद्धालु की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, हादसे में एक युवक घायल हो गया। जिसे अस्पताल ले जाया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस विधिक कार्रवाई में जुटी है।गोसाईगंज थाने के खटवर निवासी चंद्रभूषण वर्मा (45) पुत्र राम उजागिर हर मंगलवार जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के बरौंसा मंडा स्थित हनुमान मंदिर पर दर्शन करने जाते थे। मंगलवार सुबह करीब 10रू30 बजे वह मंदिर के पास बरौंसा-बेलहरी मार्ग पर पैदल जा रहे थे तभी तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से रक्त स्राव अधिक हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बाइक सवार धीरज अवसानपुर लंभुआ और चंद्रभूषण को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुर ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने चंद्रभूषण को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि बाइक सवार गोसाईगंज बाजार से मछली लेकर वापस घर लौट रहे थे। इसी बीच यह दुर्घटना हो गई। बाइक पर सवार दूसरा युवक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। मृतक अपने पीछे पत्नी व तीन बेटे अजय, डब्लू और राज को छोड़ गया है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक को कब्जे में ले लिया है। कोतवाल विवेक कुमार राय ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कैंट में अस्पताल के सुपरवाइजर ने घर में फांसी लगाकर दी जान, पत्नी मायके गई थीं

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के कैंट क्षेत्र में एक निजी अस्पताल में कार्यरत 30 वर्षीय सुपरवाइजर ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची कैंट पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार मंगलवार को सूचना मिली कि सदर कैंट स्थित आजाद मोहन क्षेत्र के मकान संख्या 726 में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही थाना कैंट पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई।जांच में मृतक की पहचान दीपांकर नाथ (30) पुत्र स्वर्गीय राजेंद्र नाथ, निवासी मकान संख्या 726, आजाद मोहन, सदर कैंट के रूप में हुई। वह लखनऊ के मैक्स अस्पताल में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे।प्रारंभिक जांच में सामने आया कि घटना के समय दीपांकर नाथ घर पर अकेले थे। उनकी पत्नी अपने मायके गई हुई थीं। इसी दौरान उन्होंने घर के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता चलने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया। विशेषज्ञों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और वैज्ञानिक साक्ष्यों का संकलन किया। पुलिस ने घर के अंदर और आसपास के हालात का भी परीक्षण किया ताकि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा सके।

बरसात, कांवड़ यात्रा और विकास कार्यों पर ए.के. शर्मा सख्त, अधिकारियों को दिए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशासनिक समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कर बरसात, श्रावण मास में प्रस्तावित कांवड़ यात्रा तथा जिले में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए उन्होंने जनहित से जुड़े सभी कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।बैठक में मंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। वहीं जल निगम को पाइपलाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का शीघ्र पुनर्निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने नगर निकायों को बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नालों और नालियों की नियमित सफाई कराने, व्यापक स्वच्छता अभियान चलाने, फॉगिंग और एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।श्रावण मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए ए.के. शर्मा ने कहा कि कांवड़ मार्गों पर स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं पूरी तरह दुरुस्त रहनी चाहिए। उन्होंने ऊर्जा विभाग को निर्देश दिया कि सभी कांवड़ मार्गों पर विद्युत लाइनों और पोलों का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल पूरे किए जाएं, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे।ऊर्जा मंत्री ने किसानों के हितों का भी विशेष उल्लेख करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे खेती-किसानी प्रभावित न हो।विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को गति बढ़ाने और गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही, अनियमितता अथवा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि किसी परियोजना में लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने सड़क, बिजली, जल निकासी, स्वच्छता और अन्य जनसमस्याओं से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए। इस पर मंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक दीनानाथ भास्कर, विधायक विपुल दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बीबीएयू में बाल मार्गदर्शन एवं परामर्श में एडवांस्ड डिप्लोमा शुरू, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ तैयार करने पर रहेगा जोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) और सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान (एसपीएनआईडब्ल्यूसीडी), क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को एडवांस्ड डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग (एडीसीजीसी) का शुभारंभ किया गया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, मनोसामाजिक विकास तथा परामर्श सेवाओं के क्षेत्र में दक्ष विशेषज्ञ तैयार करना है, ताकि समाज में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में बलरामपुर चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. पी. के. श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इस अवसर पर डीन अकादमिक प्रो. एस. विक्टर बाबू, गृह विज्ञान विद्यापीठ की संकायाध्यक्ष प्रो. यू. वी. किरण, कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो. शालिनी अग्रवाल तथा सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिल वी. बी. बाबू सहित विश्वविद्यालय और संस्थान के वरिष्ठ शिक्षक, चिकित्सक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।अपने उद्घाटन संबोधन में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों और किशोरों में मानसिक तनाव, व्यवहारगत समस्याएं, भावनात्मक अस्थिरता तथा सामाजिक दबाव लगातार बढ़ रहे हैं। बदलती जीवनशैली, डिजिटल तकनीक का बढ़ता प्रभाव, शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा और पारिवारिक परिवेश में हो रहे बदलावों के कारण बच्चों के मानसिक एवं भावनात्मक विकास पर गहरा असर पड़ रहा है। ऐसे समय में प्रशिक्षित चाइल्ड गाइडेंस और काउंसलिंग विशेषज्ञों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।उन्होंने कहा कि बच्चों का मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य किसी भी विकसित समाज की मजबूत नींव है। यदि समय रहते उनकी समस्याओं की पहचान कर उचित परामर्श और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए तो उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास संभव है। उन्होंने विश्वास जताया कि बीबीएयू का यह नया डिप्लोमा कार्यक्रम शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोविज्ञान और बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराएगा।

दहेज प्रताड़ना से तंग नवविवाहिता की मौत, पति और ससुर गिरफ्तार; सास की तलाश जारी

लखनऊ। राजधानी के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना से जुड़ी एक नवविवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है, जबकि मामले में नामजद सास की तलाश जारी है। पुलिस पूरे प्रकरण की विवेचना कर रही है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) मोहम्मद मुस्ताक के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) रल्लापल्ली वसंत कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह और प्रभारी निरीक्षक राम बाबू सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

उत्तर प्रदेश में सड़क क्रांति : 4,330 करोड़ रुपये से 158 सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय मार्गों का कायाकल्प

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की आधारभूत संरचना को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के सीमावर्ती और अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण, चौड़ीकरण और आधुनिकीकरण का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 158 सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों का विकास किया जा रहा है, जिनकी कुल लंबाई 2,877 किलोमीटर है। इन परियोजनाओं पर 4,330.35 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जबकि राज्य की सीमाओं पर 143 भव्य स्वागत द्वारों के निर्माण के लिए 232.99 करोड़ रुपये की लागत निर्धारित की गई है।प्रदेश सरकार का मानना है कि मजबूत सड़क नेटवर्क केवल आवागमन को आसान नहीं बनाता, बल्कि व्यापार, उद्योग, कृषि, पर्यटन, निवेश और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। इसी सोच के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों को आधुनिक सड़क संपर्क से जोड़ने की दिशा में बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है।उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति देश में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। राज्य की सीमाएं नेपाल के अलावा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार से जुड़ी हुई हैं। इन सीमाओं से प्रतिदिन लाखों लोगों, पर्यटकों और मालवाहक वाहनों का आवागमन होता है। ऐसे में बेहतर सड़क संपर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय दृष्टि दोनों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।सरकार के अनुसार चयनित 158 संपर्क मार्गों के माध्यम से दूरस्थ गांवों, सीमावर्ती क्षेत्रों और औद्योगिक तथा व्यावसायिक केंद्रों को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जा रही है। इन मार्गों के विकसित होने से कृषि उत्पादों, औद्योगिक वस्तुओं और आवश्यक सेवाओं के परिवहन में तेजी आएगी, परिवहन लागत कम होगी और व्यापारिक गतिविधियों को नया विस्तार मिलेगा।इन परियोजनाओं में केवल सड़क निर्माण ही नहीं, बल्कि आवश्यकता के अनुसार पुल एवं पुलियों का निर्माण, प्रभावी जल निकासी व्यवस्था, सड़क सुरक्षा संबंधी सुविधाएं और आधुनिक निर्माण तकनीकों का उपयोग भी किया जा रहा है, ताकि सड़कें लंबे समय तक टिकाऊ और सुरक्षित बनी रहें।लोक निर्माण विभाग के अनुसार परियोजना के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 158 में से 126 संपर्क मार्गों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष मार्गों पर तेजी से काम चल रहा है। विभाग द्वारा सभी परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा और निगरानी की जा रही है।प्रदेश सरकार ने सड़क नेटवर्क के साथ राज्य की पहचान को भी नया स्वरूप देने का निर्णय लिया है।

लखनऊ में नगर निगम का सख्त अभियान : अतिक्रमण हटाए

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम ने शहर को स्वच्छ, अतिक्रमण मुक्त और सुगम यातायात वाला बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर जोन-2 और जोन-5 सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण हटाने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर सख्ती बरतते हुए कुल ₹21 हजार का शमन शुल्क वसूला गया। अभियान के दौरान स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ नालियों की सफाई, कूड़ा उठान और संचारी रोगों की रोकथाम के लिए एंटी-लार्वा छिड़काव भी कराया गया।जोन-2 में जोनल अधिकारी मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में भदैवा ऐशबाग, कुंडरी रकाबगंज, सुभाष मार्ग, यहियागंज, बड़ा इमामबाड़ा, महाकालेश्वर मंदिर, राजेंद्र नगर, रकाबगंज चौराहा और शास्त्री नगर चौराहे के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान नालियों की सफाई, सड़क सफाई और कूड़ा उठाने का कार्य कराया गया। साथ ही मच्छरों की रोकथाम के लिए एंटी-लार्वा छिड़काव भी किया गया।इसी क्रम में 296 प्रवर्तन दल ने बुलाकी अड्डे से पत्थर कट्टा मस्जिद होते हुए मोहन रोड तक अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध दो चालान कर ₹8 हजार तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर तीन चालान कर ₹10 हजार का शमन शुल्क वसूला। इस प्रकार जोन-2 में कुल ₹18 हजार की वसूली की गई।वहीं जोन-5 में अवध चौराहे से हरदोई रोड स्थित कनौसी पुल तक तथा आलमबाग चौराहे से तालकटोरा रोड होते हुए लंगड़ा फाटक तक सड़क की दोनों पटरियों पर किए गए।

हर घर तिरंगा' अभियान को मिलेगी ग्रामीण महिलाओं की ताकत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इस वर्ष 'हर घर तिरंगा' अभियान-2026 को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से प्रदेश के सभी 75 जनपदों में दो करोड़ राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) तैयार किए जाएंगे। इस महाअभियान में मिशन से जुड़े 50 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं भाग लेंगी। इससे जहां लाखों परिवारों तक राष्ट्रध्वज पहुंचेगा, वहीं ग्रामीण महिलाओं को अतिरिक्त रोजगार और आय का अवसर भी मिलेगा।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह अभियान केवल तिरंगा निर्माण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि महिला सशक्तिकरण, स्थानीय रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उत्तर प्रदेश की विरासत को संजोने की बड़ी पहल, सात नए संग्रहालयों के निर्माण से इतिहास

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक धरोहर को भावी पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर संग्रहालयों का निर्माण करा रही है। संस्कृति विभाग की महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में सात नए संग्रहालयों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इन संग्रहालयों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम, लोक संस्कृति, सैन्य इतिहास, संत परंपरा, साहित्य और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार केवल ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों, साहित्यकारों और सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित कर रही है, जिन्होंने प्रदेश और देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन संग्रहालय पर्यटकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और इतिहास में रुचि रखने वाले लोगों के लिए ज्ञान के महत्वपूर्ण केंद्र बनेंगे।उन्होंने बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा गोरखपुर, बाराबंकी, वाराणसी, कौशांबी, सुल्तानपुर, अयोध्या, लखनऊ और बिजनौर में संग्रहालयों का निर्माण कराया जा रहा है। इन संग्रहालयों में आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्रस्तुति, इंटरएक्टिव गैलरी और मल्टीमीडिया माध्यमों का उपयोग किया जाएगा, जिससे आगंतुकों को इतिहास और संस्कृति का जीवंत अनुभव मिल सके।

संक्षेप

लिफ्ट मांगने वाले ने काटी जेब, व्यापारी से 46,500 रुपये लेकर फरार

लखनऊ। राजधानी के जानकीपुरम क्षेत्र में लिफ्ट मांगकर बाइक पर बैठे एक युवक ने किराना व्यापारी की जेब काटकर 46,500 रुपये उड़ा दिए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 1:10 बजे सूचना मिली कि 60 फीटा रोड के पास एक व्यक्ति की जेब काटकर रुपये चोरी कर लिए गए हैं। सूचना पर थाना जानकीपुरम पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की।प्रारंभिक जांच में पता चला कि सेक्टर-3, जानकीपुरम निवासी अजयकांत कटियार की 60 फीटा रोड पर किराने की दुकान है। वह अपनी बाइक से निजी कार्य से इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे की ओर जा रहे थे। रास्ते में एक अज्ञात युवक ने उनसे लिफ्ट मांगी, जिसे उन्होंने बाइक पर बैठा लिया।कुछ दूरी तय करने के बाद अजयकांत कटियार को अपनी जेब कटी होने का एहसास हुआ। इसी दौरान लिफ्ट लेकर बैठा युवक मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने जेब की जांच की तो उसमें रखे रुपये गायब मिले और जेब भी कटी हुई थी।पीड़ित के मुताबिक जेब में कुल 60,000 रुपये थे, जिनमें से 13,500 रुपये रास्ते में गिर जाने के कारण वापस मिल गए, जबकि शेष 46,500 रुपये अज्ञात आरोपी लेकर फरार हो गया।पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार करने के लिए टीमें लगाई गई हैं और मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

रेलवे ट्रैक पर युवक का क्षत-विक्षत शव मिला, आधार कार्ड से हुई पहचान

लखनऊ। राजधानी के सैरपुर थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान आधार कार्ड के आधार पर कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को आगे की विधिक कार्रवाई के लिए भेज दिया है।पुलिस के अनुसार 27 जुलाई को रेलवे की ओर से मेमो के माध्यम से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया है। सूचना मिलते ही सैरपुर थाने के उपनिरीक्षक रामदेव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। रेलवे ट्रैक के पास पिलर संख्या 15/09 के निकट एक अज्ञात व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला।तलाशी के दौरान मृतक की पैंट की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान पवन कुमार (24) पुत्र स्वर्गीय कमलेश कुमार, निवासी ग्राम पुरैना, थाना बिसवां, जनपद सीतापुर के रूप में हुई।पुलिस ने सी-प्लान के माध्यम से मृतक के परिजनों से संपर्क कर घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर मृतक के भाई सचिन कुमार मौके पर पहुंचे।

21 वर्ष पुराने आपराधिक मामले में फरार वारंटी गिरफ्तार, माल पुलिस ने घर से दबोचा

लखनऊ। राजधानी की माल थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ न्यायालय द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसके घर पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, लखनऊ द्वारा वाद संख्या 2905883/12, मुकदमा संख्या 122/2005, धारा 427 भारतीय दंड संहिता से संबंधित मामले में आरोपी के विरुद्ध गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। इसके अनुपालन में माल थाना पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वारंटी अपने गांव स्थित घर पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम गढ़ीहार, थाना माल में दबिश देकर आरोपी भईया लाल (32 वर्ष) पुत्र बाबूलाल को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी मजदूरी का कार्य करता है और उसके विरुद्ध वर्ष 2005 में दर्ज आपराधिक मामले में न्यायालय से गैर-जमानती वारंट जारी हुआ था।

इंस्टाग्राम पर मिली सुराग से खुला नाबालिग किशोरी के अपहरण का मामला

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी की सरोजनीनगर पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने किशोरी को सकुशल बरामद कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई पूरी की, जबकि गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। मामले की विवेचना जारी है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) मोहम्मद मुस्ताक के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। अभियान का नेतृत्व अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) रल्लापल्ली वसंत कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर अभिषेक कुमार पाण्डेय तथा प्रभारी निरीक्षक सरोजनीनगर राजदेव प्रजापति के निर्देशन में किया गया।पुलिस के अनुसार 19 जुलाई 2026 को पीड़िता की मां ने सरोजनीनगर थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को सुमित रावत नामक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि इंस्टाग्राम पर बेटी की तस्वीर देखने के बाद उन्हें संदेह हुआ कि आरोपी ही उसे अपने साथ लेकर गया है। तहरीर के आधार पर सरोजनीनगर थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत सुमित रावत और एक अन्य नामजद आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। मामला दर्ज होते ही पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) के निर्देश पर किशोरी की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई।

जौहर विश्वविद्यालय के समर्थन में रामपुर पहुंचे अजय राय, भवन ध्वस्तीकरण के फैसले को बताया शिक्षा विरोधी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय सोमवार को अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय पहुंचे। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर उन्होंने 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने के प्रस्तावित निर्णय के विरोध में धरना दे रहे छात्रों और शिक्षकों से मुलाकात की तथा प्रदेश सरकार के इस कदम को शिक्षा, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताया।

अजय राय ने धरनास्थल पर मौजूद छात्रों और शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को बचाने का उनका संघर्ष न्यायपूर्ण है। उन्होंने रामपुर मंडलायुक्त द्वारा फिलहाल भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगाए जाने के निर्णय का स्वागत किया और इस अवसर पर छात्रों एवं शिक्षकों को मिठाई खिलाकर उनके संघर्ष की सराहना की।इसके बाद अजय राय ने पूर्व विधायक संजय कपूर, जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों तथा स्थानीय कांग्रेस नेताओं के साथ पूर्व सांसद तंजीम फातिमा से मुलाकात की। उन्होंने कांग्रेस की ओर से भरोसा दिलाया कि पार्टी मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को बचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और मजबूती के साथ संघर्ष करेगी तथा आजम खां और उनके परिवार के साथ खड़ी रहेगी।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जैसे ही रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा विश्वविद्यालय के 38 भवनों को गिराए जाने का निर्णय सामने आया, उन्होंने तत्काल इसका विरोध दर्ज कराया। उन्होंने मीडिया के माध्यम से सड़क से सदन तक संघर्ष करने की घोषणा की और राज्यपाल को पत्र लिखकर भी इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की।अजय राय ने कहा कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय महान स्वतंत्रता सेनानी, राष्ट्रवादी नेता, पत्रकार और शिक्षाविद् मौलाना मोहम्मद अली जौहर के नाम पर स्थापित है। ऐसे संस्थान का संरक्षण केवल एक विश्वविद्यालय की रक्षा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की उस ऐतिहासिक विरासत का सम्मान है जिसने शिक्षा को राष्ट्रीय जागरण का सशक्त माध्यम बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यक्तिगत दुराग्रह के कारण प्रदेश सरकार इस विश्वविद्यालय को समाप्त करना चाहती है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने तंजीम फातिमा को आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी किसी भी परिस्थिति में मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को बचाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी और इस मुद्दे पर उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

तत्काल स्वास्थ्य लाभ के चक्कर में डॉक्टर शॉपिंग का नया चलन

समय के साथ सोच में एक बड़ा बदलाव तेजी से यह देखने में आ रहा है कि यदि जुखाम, बुखार, खांसी जैसी सामान्य बीमारी में भी डॉक्टर की दवा से तत्काल राहत नहीं मिलती तो अब डॉक्टर बदलने में कोई गुरेज नहीं होता। देखा जाएं तो तुरंत स्वास्थ्य लाभ की प्रवृति के कारण डॉक्टर के ईलाज पर विश्वास में कहीं ना कहीं कमी देखने में आने लगी है और इसके परिणाम स्वरुप महानगरों में डॉक्टर शापिंग का नया ही चलन चलने लगा है। खासतौर से मरीज से मिलने-मिलाने वाले चिकित्सक बदलने की सलाह देने में किसी तरह का कोई गुरेज नहीं करते। चिकित्सक बदलने में कोई बुराई नहीं है पर जिस चिकित्सक से ईलाज करवा रहे हैं उससे बीमारी ठीक होने की संभावना के संबंध में चर्चा करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अन्य चिकित्सक की सलाह लेना और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करके चलना होगा। बीच ईलाज ही बार बार डाक्टर बदलने के कई साइड इफेक्ट से भी दो चार होना पड़ता है और कई बार तो डॉक्टर बदलने का यह प्रयोग ईलाज पर विपरीत प्रभाव और गंभीर संकट में डाल देता है। मिसाल के तौर पर सामान्य खांसी की बीमारी या पेट में गड़बड़ या वाइरल बुखार होने पर जब डॉक्टर द्वारा दवा का जो कोर्स दिया जाता है उसके पूरा होने के पहले ही यानी की मान लो पांच दिन का कोर्स दिया है तो तीसरे दिन ही अधीर होकर दूसरे डॉक्टर की शरण में जाना आम होता जा रहा है। हांलाकि यह प्रवृति कुछ ही लोगों में है पर महानगरों और बड़े शहरों में इस तरह की प्रवृति जिस तेजी से बढ़ती जा रही है वह गंभीर चिंता का सबब बनती जा रही है। चिकित्सकीय भाषा में कहा जाए तो यह प्रवृति शापिंग का एक नया रुप डॉक्टर शापिंग के रुप में तेजी से फैलती जा रही है। हो यह रहा है कि इसके साइड इफेक्ट से अनजान होकर आगे बढ़ रहे है।

डॉक्टर शापिंग का कंसेप्ट बीसवीं सदी में नशीली दवाओं की प्राप्ति के लिए किये जाने वाले प्रयासों के लिए चलन में आया था। नशीली दवाओं के आदतन लोग एक से दूसरे डॉक्टर के पास परचा लिखवाने इसलिए जाते थे ताकि नशीली दवाओं का संग्रह कर सके। क्योंकि नशीली दवा एक सीमा तक ही मिलती थी और बिना चिकित्सक के परचे के मिलना लगभग मुश्किल होता था। यही कारण है कि देश और विदेश में नित नए डॉक्टर से परचा लिखवाना और केमिस्ट से दवा प्राप्त करना आम होता जा रहा था। खासतौर से रोक वाली दवाओं को लेकर के यह प्रक्रिया अपनाई जा रही थी। हांलाकि इस प्रवृति को रोकने के लिए कई देशों में कानूनी प्रयास किये गए और कुछ हद तक इस पर अंकुश भी लग सका। अमेरिका जैसे देश में इसके लिए डॉक्टर शापिंग लॉ जैसी व्यवस्था की गई। खैर अब चिकित्सा सुविधा के विस्तार और सहजता के साथ ही डॉक्टर शापिंग का कंसेप्ट बदलता जा रहा है।

हो यह रहा है कि जब कोई मरीज यह महसूस करता है कि चिकित्सक की दवा से उसकी बीमारी में तेजी से सुधार नहीं हो रहा तो वह ईलाज के बीच ही दूसरे डॉक्टर की शरण में चले जाता है। खासतौर से यह प्रवृति महानगरों और बड़े शहरों में अधिक तेजी से फैल रही है। इसका कारण यह है कि आज सलाहकारों की लंबी फौज होने के साथ ही रोगी या रोगी के परिजन मैजिक टच की सोच रखने लगे हैं। दूसरा यह कि अब चिकित्सा सुविधा का भी तेजी से विस्तार हुआ है। निजी और सरकारी क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा की सहज उपलब्धता होने के साथ ही मेडिक्लेम जैसी सुविधाएं प्राप्त होने लगी है। सरकारी और निजी विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता के कारण भी यह होने लगा है। बीमारी चाहे सामान्य हो या गंभीर तत्काल सुधार नहीं दिखने पर दूसरे डॉक्टर को दिखाने चले जाते हैं और डाक्टर बदलने का तत्काल जो प्रभाव पड़ता है वह रीसेट बटन होता है यानी कि दूसरा डॉक्टर फिर अपने तरीके से पहले जॉचों का सिलसिला आरंभ करते हैं क्योंकि पहले की डॉक्टर द्वारा कराई गई जांचों में किसी ना किसी तरह की कमी या अन्य कारण बता कर दुबारा से जांचें करवानी पड़ती है। इसके लिए रक्त जांच से लेकर रोग के अनुसार एक्सरे, एमआरआई या अन्य तरह की जांचें भी हो सकती है। इससे बार बार जांच और एक्सरे किरणों से दो चार होने के साथ ही रुपये पैसे का भार भी पड़ता है। एक तरह से बीमारी के पहचान की नए सिरे से प्रक्रिया आरंभ होती है। दवा का नया सिलसिला आरंभ होता है और पूर्व में चल रही एंटिबायोटिक या अन्य दवाओं के स्थान पर जेनेरिक दवाओं के ही दूसरे ब्राण्ड की दवा दी जाती है व कई बार तो पॉली फार्मेसी जैसी स्थिति हो जाती है। दवाओं के असर पर विपरीत प्रभाव की संभावनाओं से भी नहीं नकारा जा सकता। ऐसे में सुधार के स्थान पर जटिलताओं की संभावनाओं से नहीं नकारा जा सकता। डॉक्टर शापिंग के इस दौर में अन्य चिकित्सक की विशेषज्ञ सलाह लेने और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करना होगा। अन्य विशेषज्ञ की सलाह को तो ईलाज कर रहे चिकित्सक को विश्वास में लेकर लेने से ईलाज में और अधिक सकारात्मकता आती है पर बार बार चिकित्सक बदलना उचित नहीं माना जा सकता।

धर्मेंद्र प्रधान की सिर्फ मंत्री पद की कुर्सी गयी, राजनीतिक कद बरकरार है

मोदी सरकार संसद में पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 भी लेकर आई है।

नीरज कुमार दुबे

भारतीय राजनीति में संदेश अक्सर शब्दों से नहीं, बल्कि प्रतीकों से दिए जाते हैं। संसद के मॉनसून सत्र में आज ऐसा ही एक प्रतीकात्मक दृश्य देखने को मिला। दो दिन पहले नीट पेपर लीक विवाद की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले धर्मेंद्र प्रधान जब संसद पहुंचे तो बीजेपी और एनडीए सांसदों ने उनका स्वागत विजेता की तरह किया। ₹धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद₹ के नारों से संसद परिसर गूंज उठा, पारंपरिक टोपी और शॉल पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया और मुस्कुराते हुए प्रधान ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन स्वीकार किया।

यहीं से सियासत का नया अध्याय शुरू हो गया। विपक्ष ने सवाल दागा कि क्या यह इस्तीफे का सम्मान था या जवाबदेही का मजाक? कांग्रेस ने इसे उस नेता का महिमामंडन बताया जिसे देश की सबसे बड़ी परीक्षा से जुड़े कथित घोटाले के बाद पद छोड़ना पड़ा। धर्मेंद्र प्रधान के स्वागत समारोह पर कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने बिलकिस बानो मामले का हवाला देते हुए कहा कि यह उसी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा है जिसमें विवादों से घिरे लोगों का भी सार्वजनिक सम्मान किया जाता है। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा सांसद प्रधान का स्वागत ऐसे किया जा रहा है कि मानो उन्होंने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल की हो। उन्होंने आरोप लगाया कि देश ने पहले भी देखा है कि प्रधान ने अपने इस्तीफे में पेपर लीक के लिए माफी मांगने की बजाय छात्रों पर ही ''गुमराह होने'' का आरोप लगाया था। रमेश ने कहा कि इसके बाद सभी केंद्रीय मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर प्रधान की ''वाहवाही'' की। कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''हमारा मानना है कि यह पूरा घटनाक्रम अत्यंत शर्मनाक है और देश के युवाओं का घोर अपमान है।"

हालांकि बीजेपी के लिए धर्मेंद्र प्रधान केवल पूर्व शिक्षा मंत्री नहीं हैं। वह पार्टी के सबसे भरोसेमंद संगठनकर्ताओं में गिने जाते हैं। ओडिशा के एक राजनीतिक परिवार में जन्मे प्रधान ने छात्र राजनीति से शुरुआत की थी। एबीवीपी के कार्यकर्ता से लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, विधायक, सांसद और फिर केंद्रीय मंत्री बनने तक का उनका सफर संगठन की सीढ़ियां चढ़ते हुए तय हुआ। पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए उज्ज्वला जैसी योजनाओं के विस्तार में उनकी अहम भूमिका रही, जबकि 2021 में उन्हें शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ओडिशा में बीजेपी का संगठन खड़ा करने का श्रेय भी काफी हद तक धर्मेंद्र प्रधान को दिया जाता है। 2017 के पंचायत चुनावों से लेकर 2019 के लोकसभा चुनाव और फिर 2024 में बीजेडी को सत्ता से बेदखल कर बीजेपी की ऐतिहासिक जीत तक, उनकी रणनीति निर्णायक मानी जाती है। अमित शाह के करीबी राजनीतिक प्रबंधकों में उनकी गिनती होती रही है। पार्टी के भीतर उन्हें करिश्माई वक्ता से ज्यादा भरोसेमंद रणनीतिकार और संकटमोचक के रूप में देखा जाता है।

लेकिन शिक्षा मंत्रालय का कार्यकाल उनके राजनीतिक जीवन का सबसे कठिन अध्याय साबित हुआ। नई शिक्षा नीति, मातृभाषा आधारित शिक्षा और पीएम-श्री स्कूल जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाने के बावजूद उनका कार्यकाल लगातार विवादों में घिरा रहा। राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोप, एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप, तमिलनाडु के साथ तीन-भाषा फार्मूले पर टकराव, 'हिंदी थोपने' के आरोप और शिक्षा संस्थानों के कथित भगवाकरण को लेकर विपक्ष के हमले लगातार उनका पीछा करते रहे। अंततः नीट विवाद वही मोड़ बन गया जिसने उन्हें पद छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

देखा जाये तो संसद में धर्मेंद्र प्रधान को मिले सम्मान ने यह संकेत भी दे दिया कि भाजपा उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ने नहीं देना चाहती। माना जा रहा है कि उन्हें जल्द ही पार्टी संगठन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष या महासचिव पद की जिम्मेदारी देने के अलावा उत्तर प्रदेश का चुनाव प्रभारी भी बनाया जा सकता है

बहरहाल, सभी को यह समझना होगा कि भारतीय जनता पार्टी शायद उन पुराने कॉलेजों की तरह नहीं है, जहां लकड़ी की बेंचों पर सिर्फ लोकप्रिय नारे लिखे मिलते हैं। उसकी राजनीतिक शिक्षा सत्ता के कठिन संघर्षों से हुई है, जहां आज से ज्यादा कल की चिंता होती है। शायद इसी वजह से पार्टी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को अंत नहीं, बल्कि अगले अध्याय की शुरुआत की तरह पेश किया है। अब असली सवाल यह है कि क्या संसद में गूंजे धर्मेंद्र प्रधान ₹जिंदाबाद₹ के नारे जनता के मन में उठे उन सवालों को भी दबा पाएंगे, जो लाखों छात्रों के भविष्य और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता से जुड़े हैं?

व्यंग्य

अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता

हैकर कुडनकुलम परमाणु संयंत्र का अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंट; तथा विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं की सूची को डार्क वेब पर डाल दिया गया है।

डेटा चोरी की ताजा घटना ने भारत की साइबर सुरक्षा से संबंधित कमजोरियों को फिर उजागर किया है। न्यूक्लीयर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का दावा है कि लीक डेटा परमाणु सुरक्षा प्रणाली से संबंधित नहीं है। बहरहाल, इसे मान भी लिया जाए, तब भी इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि हैकर भारतीय परमाणु कार्यक्रम से संबंधित अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंट; तथा विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं की सूची को 'वर्ल्ड लीक्स' नामक रैनसमवेयर ने चुरा लिया। इस डेटा के संचालन का ठेका 2018 में अनिल अंबानी की कंपनी को दिया गया था। इसके पहले 'वर्ल्ड लीक्स' ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी से डेटा चुराकर उसे डार्क वेब पर डाल दिया था।

बताया जाता है कि दोनों घटनाओं को मिलाकर लगभग 10 लाख से अधिक संवेदनशील फाइलें लीक हुई हैं। स्पष्टतः यह केवल दो निजी कंपनियों की सुरक्षा में चूक का मामला नहीं है। बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, भू-राजनीतिक साख, और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर सीधा प्रहार है। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र की मुख्य रिएक्टर प्रणाली भले सुरक्षित हो, लेकिन थर्ड पार्टी के सर्वर से संयंत्र की आंतरिक संवेदनशील संरचना का डार्क वेब पर पहुंच जाना दर्शाता है कि हमारी रणनीतिक सुरक्षा की कड़ियां कितनी कमजोर हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधित घटना भारतीय कॉरपोरेट जगत की आर्थिक और तकनीकी साख से संबंधित है।

ये कंपनी एप्पल, टेस्ला, और क्वालकॉम जैसी वैश्विक कंपनियों के व्यावसायिक डेटा को संभालती है। इनका 630 जीबी डेटा डार्क वेब के जरिए अब उनकी प्रतिस्पर्धी कंपनियों को उपलब्ध है। जाहिर है, इससे भारत की विश्वसनीयता को गहरा धक्का लगा है। भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का खास डेटा अगर सुरक्षित नहीं है, तो विदेशी निवेश लाने और तकनीकी हस्तांतरण की भारत की कोशिशों का सफल होना संदिग्ध बना रहेगा। इन घटनाओं ने साइबर कानूनों का सख्त अनुपालन कराने की भारत की क्षमता को कठघरे में ला खड़ा किया है। अतः सरकार और उद्योग जगत को इसे महज 'डेटा ब्रीच' मानना बंद करना चाहिए। साइबर सुरक्षा के लिए अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता है।

ब्लॉग

ज्ञान, बुद्धि और विवेक : जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति

ज्ञान की नदी, बुद्धि का प्रवाह और विवेक का सागर

तेजबहादुर सिंह भुवाल

आज दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। विज्ञान, तकनीक और संचार के क्षेत्र में हो रहे तेज़ विकास ने मनुष्य के जीवन को सुविधाजनक बना दिया है। एक क्लिक पर अनगिनत जानकारियाँ उपलब्ध हैं, लेकिन क्या केवल जानकारी का होना ही मनुष्य को महान बना देता है? इसका उत्तर स्पष्ट है—नहीं। जीवन को सार्थक बनाने के लिए ज्ञान के साथ बुद्धि और विवेक का होना अनिवार्य है। यही तीनों गुण व्यक्ति के चरित्र, व्यक्तित्व और भविष्य की वास्तविक पहचान बनते हैं।

ज्ञान वह प्रकाश है जो जीवन के अंधकार को दूर करता है। यह हमें शिक्षा, अनुभव, अध्ययन, प्रकृति और समाज से प्राप्त होता है। ज्ञान मनुष्य को जागरूक बनाता है, उसकी सोच का विस्तार करता है और उसे नई संभावनाओं से परिचित कराता है। किंतु केवल ज्ञान अर्जित कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। यदि ज्ञान व्यवहार में न उतरे, तो वह पुस्तकों के पन्नों तक ही सीमित रह जाता है।

ज्ञान को सार्थक बनाने का कार्य बुद्धि करती है। बुद्धि वह क्षमता है, जो सही समय पर सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करती है। जीवन में अनेक अवसर ऐसे आते हैं, जब व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उस समय केवल जानकारी नहीं, बल्कि सूझ-बूझ और दूरदर्शिता काम आती है। बुद्धिमान व्यक्ति समस्याओं से घबराता नहीं, बल्कि उनका समाधान खोजता है। वह परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालना जानता है और असफलताओं को भी सीखने का अवसर बना लेता है।

इन दोनों से भी श्रेष्ठ स्थान विवेक का है। विवेक वह आंतरिक चेतना है, जो हमें सही और गलत, न्याय और अन्याय, सत्य और असत्य के बीच अंतर करना सिखाती है। विवेक ही मनुष्य को नैतिक बनाता है। जब ज्ञान और बुद्धि के साथ विवेक जुड़ जाता है, तब व्यक्ति अपने निर्णय केवल स्वार्थ के आधार पर नहीं, बल्कि समाज और मानवता के हित को ध्यान में रखकर लेता है। यही गुण एक सामान्य व्यक्ति को असाधारण बना देता है।

वर्तमान समय में ज्ञान का विस्फोट हुआ है, लेकिन विवेक का संकट भी उतना ही गहरा दिखाई देता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने सूचनाओं का अंबार खड़ा कर दिया है। बिना सत्यापन के खबरें साझा करना, अफवाहों पर विश्वास करना और बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देना इस बात का संकेत है कि ज्ञान उपलब्ध है, पर विवेक का उपयोग कम हो रहा है। इसलिए आज आवश्यकता केवल शिक्षित लोगों की नहीं, बल्कि विवेकशील नागरिकों की है। हमारे परिवार, विद्यालय और समाज की जिम्मेदारी है कि वे नई पीढ़ी को केवल प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नहीं, बल्कि बहुमूल्य जीवन के लिए तैयार करें। बच्चों में पढ़ने की आदत, प्रश्न पूछने का साहस, तर्क करने की क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास ही उन्हें सच्चे अर्थों में शिक्षित बनाएगा। चरित्र के बिना ज्ञान विनाश का कारण बन सकता है, जबकि विवेकयुक्त ज्ञान समाज के विकास का आधार बनता है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि महान व्यक्तियों की पहचान केवल उनके ज्ञान से नहीं, बल्कि उनके विवेकपूर्ण निर्णयों से बनी। उन्होंने अपने ज्ञान और बुद्धि का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया। यही कारण है कि उनका जीवन आज भी प्रेरणा का स्रोत है। ज्ञान हमें सीखने की प्रेरणा देता है, बुद्धि हमें सोचने की क्षमता प्रदान करती है और विवेक हमें सही मार्ग पर चलने की शक्ति देता है। यदि इन तीनों का संतुलित विकास हो जाए, तो व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि हम केवल ज्ञानवान बनने का प्रयास न करें, बल्कि बुद्धिमान और विवेकशील भी बनें। यही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि और सच्ची संपत्ति है।

महाभारत में महर्षि वेदव्यास ने कहा है कि सभी प्राणियों में मनुष्य सबसे श्रेष्ठ है। इसका कारण उसकी शक्ति, ज्ञान या बुद्धि नहीं, बल्कि उसका विवेक है। विवेक ही मनुष्य को सही और गलत, उचित और अनुचित का निर्णय लेने की क्षमता देता है। यही गुण उसे अन्य प्राणियों से अलग और श्रेष्ठ बनाता है।

आज जब विवेक का स्थान स्वार्थ ने ले लिया है, तब समाज में अपराध, नशाखोरी, मिलावट, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, हिंसा, तनाव और आपसी वैमनस्य जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। इन बुराइयों ने मनुष्य को सुख और शांति से दूर कर दिया है। भौतिक सुविधाएँ बढ़ने के बावजूद मानसिक संतोष और आत्मिक शांति कम होती जा रही है। मनुष्य एक सामाजिक और जिम्मेदार प्राणी है। उसकी श्रेष्ठता तभी सार्थक है, जब वह अपने विवेक का सही उपयोग करे। विवेक ही वह प्रकाश है, जो हमें सही राह दिखाता है और सत्य-असत्य, न्याय-अन्याय तथा अच्छे-बुरे में अंतर करना सिखाता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति विवेकपूर्ण जीवन अपनाए, तो न केवल उसका अपना जीवन सुखी होगा, बल्कि समाज भी अधिक संवेदनशील, शांतिपूर्ण और मानवीय बनेगा।

जीवन की वास्तविक सफलता केवल अधिक जानने में नहीं, बल्कि सही समझने और सही कार्य करने में है। ज्ञान हमें जानकारी देता है, बुद्धि उसे समझने की क्षमता देती है और विवेक उस समझ को मानवता, नैतिकता और लोककल्याण की दिशा में ले जाता है। जब ज्ञान, बुद्धि और विवेक एक साथ जीवन में उतरते हैं, तभी व्यक्ति केवल सफल नहीं, बल्कि आदर्श और प्रेरणास्रोत भी बनता है। यही वह मार्ग है जो एक सशक्त समाज, जागरूक नागरिक और विकसित राष्ट्र की नींव रखता है।

स्वास्थ्य विभाग ने किया अस्पताल सील

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। फर्जी अस्पतालों के संचालन को लेकर स्वास्थ्यविभाग ने कड़ा रुख अपनाते हुये डॉ0 अरुण कुमार भारती के नेतृत्व में बदलापुर चिकित्साधीक्षक डॉ0 अरविन्दकुमार पाण्डेय एचईओ राकेश मौर्य तहसीलदार योगेन्द्र पाण्डे के साथ मंगलवार को बदलापुर कस्बे में छापेमारी की। इस दौरान जांच टीम बदलापुर-घनश्यामपुर मार्ग स्थित अवैध तरीके से चल रहे मानस हॉस्पिटल को सीजकर दिया। हालांकि जांच टीम की भनक लगते ही कस्बे के कयी अस्पताल संचालक अपनी दुकानों पर लगा बोर्ड पलटकर शटर गिरा फरार हो गये। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से अस्पताल संचालकों में हड़कंप की स्थिति बनी हुयी है।

यूरिया खाद के लिए किसानों की भीड़ उमड़ी

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के गोपालापुर खाद समिति पर मंगलवार सुबह यूरिया खाद लेने के लिए किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। किसान धान की फसल के लिए यूरिया खाद लेने पहुंचे थे। खाद लेने पहुंचे किसानों ने बताया कि बासापुर, अढ़नपुर, मुंसीपुर और ठाठर जैसी कई सरकारी समितियों पर यूरिया खाद खत्म हो गया है। कई दिनों तक चक्कर काटने के बाद उन्हें सूचना मिली कि गोपालापुर समिति पर खाद का वितरण किया जा रहा है, जिसके बाद वे यहां पहुंचे। किसानों ने बताया कि धान की रोपाई और सिंचाई के बाद अब फसल में यूरिया खाद का छिड़काव करना अनिवार्य है। अन्य समितियों में खाद की कमी के कारण उन्हें एक समिति से दूसरी समिति भटकना पड़ रहा है।इस मामले में गोपालापुर सरकारी समिति के सचिव नवनीत सिंह ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समिति पर यूरिया खाद की कोई कमी नहीं है और आए हुए किसानों को बारी-बारी से खाद का वितरण किया जा रहा है।

'अखिलेश-राहुल को बोलने का हक नहीं...'

प्रयागराज में डिप्टी सीएम की सपा और कांग्रेस को खरी-खरी

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी नकल माफिया है। इसी पार्टी के लोग प्रदेश में अलग-अलग गड़बड़ी में शामिल हैं। कल्याण सिंह की सरकार में नकल अध्यादेश आया था। उस अध्यादेश को रद करने का काम तत्कालीन सपा की सरकार ने किया। ये बातें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कही। वह सर्किट हाउस में पत्रकारों से सोमवार को बातचीत कर रहे थे।

केशव मौर्य ने कहा, पेपर लीक के मुद्दे पर अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे लोगों को बोलने का अधिकार नहीं है। प्रयागराज में विभिन्न आयोगों को इन लोगों की सरकार ने भ्रष्टाचार का आयोग बना दिया था। छात्रों की प्रतिभा को कुचला गया। वर्तमान में आंदोलित छात्रों की भावनाओं का हम सम्मान

करते हैं।

संसद में आने वाले सुधार विधेयक से नकल माफिया, पेपर लीक करने वाले तत्वों की रूह कांप जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे लेकर जो टास्क फोर्स बनाई है, उसकी मंशा समझी जाए। भविष्य में पेपर लीक को रोकने का भरसक प्रयास है।

आंदोलन के दौरान उपद्रव करने वालों के संबंध में उपमुख्यमंत्री ने कहा, तोड़फोड़ करने वाले सपा के गुंडे हैं। उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। सांसद असदुद्दीन ओवैसी के बयान, जिसमें उन्होंने सपा से गठबंधन कर बीजेपी को हराने का दावा किया था पर केशव ने कहा, अभी तक अखिलेश यादव और राहुल गांधी मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे थे, अब ओवैसी देखने लगे हैं।

हाई कोर्ट का नहीं होगा विभाजन

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा निदेशालय के साथ हर मुख्यालय प्रयागराज की धरोहर हैं। अब कोई कार्यालय प्रयागराज से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा, न इलाहाबाद हाई कोर्ट का विभाजन होने देंगे।

वह सोमवार को होटल रामा कांटिनेंटल में आयोजित 'प्रयागराज की बात-विकास एवं नवाचार' पर चर्चा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। समाज के विशिष्टजनों के बीच उन्होंने कहा, जो बड़े मुख्यालय प्रयागराज से स्थानांतरित हुए हैं। उन्हें भविष्य में वापस लाने की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा।

गाजीपुर में बीच सड़क पति ने पत्नी का गला रेता...मौत, फिर 8 महीने की बेटी को लेकर थाने पहुंचा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के शादियाबाद थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक सनसनीखेज हत्या ने पूरे इलाके को दहला दिया। मुबारकपुर गांव में घरेलू विवाद के बाद एक पति ने अपनी पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। महिला अपनी जान बचाने के लिए करीब 100 मीटर तक सड़क पर दौड़ती रही, लेकिन आरोपी ने उसे पकड़ लिया और वारदात को अंजाम दे दिया। घटना के बाद आरोपी अपनी आठ माह की मासूम बेटी को साथ लेकर खुद थाने पहुंच गया, जहां पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

मृतका की पहचान कुसुम प्रजापति के रूप में हुई है। वह शादियाबाद थाना क्षेत्र के कस्बा कोईरी गांव की रहने वाली थी और शादियाबाद कस्बे में ब्यूटी पार्लर संचालित कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती थी। वहीं आरोपी रवि उर्फ हनी गुरैनी गांव का निवासी है और ऑर्केस्ट्रा का संचालन करता है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल है।

कुसुम की पहली शादी करीब 10 वर्ष पहले आजमगढ़ के एक युवक से हुई थी। विवाद के चलते दोनों अलग हो गए, जिसके बाद वह अपनी बेटी के साथ शादियाबाद में रहने लगी। वर्ष 2023 में उसकी मुलाकात रवि उर्फ हनी से हुई और दोनों साथ रहने लगे। बाद में कुसुम ने रवि पर शादी का दबाव बनाया। पहले रवि ने इनकार किया, जिस पर कुसुम ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। बाद में समझौता हुआ और वर्ष 2024 में दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। शादी के बाद दोनों किराए के मकान में रह रहे थे।

छेड़खानी के मामले के बाद बढ़ा तनाव

स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले कुछ समय से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। इसी दौरान एक महिला ने रवि पर छेड़खानी का आरोप लगाया था। बताया जाता है कि कुसुम भी उस महिला के साथ थाने गई थी। पुलिस जांच में रवि छेड़खानी के आरोप से निर्दोष पाया गया, हालांकि शांति भंग की आशंका में उसका चालान किया गया। जमानत पर रिहा होने के बाद वह घर लौटा और काफी गुस्से में था।

सड़क पर दौड़ाकर की हत्या

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोमवार शाम रवि हाथ में चाकू लेकर कुसुम के ब्यूटी पार्लर पहुंचा और उसे बाहर बुलाया। जैसे ही कुसुम बाहर आई, उसने हमला करने की कोशिश की। जान बचाने के लिए कुसुम सड़क पर दौड़ पड़ी, लेकिन आरोपी ने करीब 100 मीटर तक उसका पीछा किया और पकड़कर चाकू से उसका गला रेत दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों के पहुंचने से पहले ही कुसुम की मौत हो चुकी थी।

बेटी को लेकर थाने पहुंचा आरोपी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

वारदात के बाद आरोपी अपनी आठ माह की बेटी को साथ लेकर सीधे शादियाबाद थाने पहुंच गया। स्थानीय लोगों का दावा है कि घटना के दौरान उसने बेटी से आपत्तिजनक टिप्पणी भी की, हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने शुरू की कानूनी कार्रवाई

क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा रामकृष्ण ने बताया कि घटना सोमवार शाम करीब सात बजे की है। मृतका के भाई की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी रवि उर्फ हनी पुलिस हिरासत में है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और हत्या के पीछे के सभी कारणों की पड़ताल की जा रही है।

सुरक्षित भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी एवं तहसीलदार के बेदखली आदेश के अनुपालन में मंगलवार को मछलीषहर तहसील क्षेत्र के ग्राम रामनगर, परगना मुंगरा स्थित सुरक्षित भूमि पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध अतिक्रमण हटवा दिया। राजस्व अभिलेखों में दर्ज सुरक्षित भूमि पर पंधारी बिंद पुत्र गामा, फूलचंद्र बिंद पुत्र भागीरथी तथा रामबली पाल पुत्र लोढ़ई, निवासी ग्राम रामनगर द्वारा किए गए अतिक्रमण को तहसीलदार हुसैन अहमद की उपस्थिति में राजस्व एवं पुलिस टीम ने हटवाया। कार्रवाई के दौरान बेदखली आदेश का पालन कराते हुए भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया। तहसीलदार हुसैन अहमद ने बताया कि न्यायालयध्प्रशासन के बेदखली आदेश का विधिवत अनुपालन कराया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी एवं सुरक्षित भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में आगे भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

वित्तीय जागरूकता की परखी हकीकत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जलालपुर कस्बा स्थित सहयोग प्रेरणा महिला ग्राम संगठन महिमापुर कार्यालय पर लखनऊ से हंसा रिसर्च से आई आरबीआई की टीम ने जमीनी स्तर पर महिलाओं कि वित्तीय जानकारी का आकलन किया । आरबीआई की टीम ने महिलाओं से बचत, बीमा सम्बन्धी, जन धन खाता एवम् लोन से सम्बन्धी जागरूकता के बारे में चर्चा किया। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में महिला ग्राम संगठन अध्यक्ष ने उपस्थित सभी महिलाओं को अंगवस्त्र दिया और कहा कि हमें इस बात पर गर्व की हमारे क्षेत्र की महिलाएं हर क्षेत्र में जागरूक हो रही है उक्त अवसर पर हंसा रिसर्च लखनऊ के सुनील कुमार, सत्येन्द्र कुमार, राजेन्द्र सिंह, आरोह फाउंडेशन के आशीष कुमार पटेल, अनिल पटेल, संस्कृति, सुरजीत बिंद तथा महिलाओं के इंदुबाला विश्वकर्मा, जूही गुप्ता, अक्कुन्न, सोनी देवी, चन्द्रकला, ज्योति देवी, सकिरा बेगम आदि दर्जनों महिलाएं रही।

प्राइवेट पार्ट पर मारी लात, लाठी-डंडों से पीटा... तीन तलाक देकर घर से निकाला

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के सीबीगंज थाना क्षेत्र के गांव सनूआ में एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि दहेज की मांग पूरी न होने और लगातार बेटियां पैदा होने की बात को लेकर उसे लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा था। विवाद इतना बढ़ गया कि उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई।

आरोप है कि उसके प्राइवेट पार्ट में लात मारी गई, लाठी-डंडों और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा गया, फिर तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया गया। घायल हालत में परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने महिला की शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी

है। दरअसल, बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के सनूआ गांव की रहने वाली 28 वर्षीय तंजीम ने बताया कि उसकी शादी बाबू खां से हुई थी। उसका पति इलेक्ट्रिक का काम करता है। शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल वाले मायके से रुपये लाने का दबाव बनाने लगे थे। आरोप है कि मांग पूरी नहीं होने पर अक्सर गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी। बच्चों की वजह से वह लंबे समय तक सब कुछ सहती रही, लेकिन हालात लगातार बिगड़ते चले गए।

मारपीट के दौरान गंभीर चोट लगने का आरोप

महिला का आरोप है कि पति ने पहले गाली-गलौज शुरू की। जब उसने विरोध किया तो पति ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया। तंजीम का कहना है कि मारपीट के दौरान उसके शरीर के कई हिस्सों पर चोटें आईं। उसने आरोप लगाया कि उसके प्राइवेट पार्ट पर भी लात मारी गई, जिससे उसे गंभीर चोट आई और ब्लीडिंग शुरू हो गई। वह दर्द से चीखती रही, लेकिन किसी ने उसे बचाने की कोशिश नहीं की। घटना की जानकारी मिलने पर मायके पक्ष के लोग गांव पहुंचे। उन्होंने 108 एंबुलेंस की मदद से महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।

तीन तलाक बोलकर घर से निकालने का भी आरोप

तंजीम ने आरोप लगाया है कि उसकी तीन बेटियां और एक बेटा है। करीब डेढ़ महीने पहले उसने एक और बेटी को जन्म दिया था। इसके बाद से पति और ससुराल वालों का व्यवहार और ज्यादा बदल गया। बेटियों को लेकर ताने दिए जाते थे और कहा जाता था कि उनकी शादी के लिए मायके से रुपये लेकर आओ। महिला का आरोप है कि चौथी बेटी के जन्म के बाद प्रताड़ना और बढ़ गई।

पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के बाद पति ने उसे तीन तलाक बोलकर घर से बाहर निकाल दिया। इतना ही नहीं, उसका बेटा भी अपने पास रख लिया। महिला ने आरोप लगाया कि ननद समेत परिवार के अन्य लोगों ने भी पति का साथ दिया और उसे घर से निकाल दिया। महिला ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'कान में जिन्न कहता था मार डालो' बरेली में व्यापारी के हत्यारे की बात से अधिकारी हैरान, पहले भी कर चुका है मर्डर

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के भोजीपुरा थाना क्षेत्र के धौराटांडा में किराना व्यापारी सियाराम श्रीवास्तव की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में 19 वर्षीय मोहम्मद अरमान और उसके पिता इम्तियाज अहमद को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने नशे के लिए रुपये लूटने की नीयत से वारदात को अंजाम दिया था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने दावा किया कि उसे कानों में एक महिला जिन्न की आवाज सुनाई देती थी, जो उसे किसी की हत्या करने के लिए उकसाती थी।

पुलिस के अनुसार 24 जुलाई की सुबह धौराटांडा निवासी और किराना व्यापारी सियाराम श्रीवास्तव रोज की तरह सुबह टहलने निकले थे। इसी दौरान आरोपी मोहम्मद अरमान अपनी सफेद वैन लेकर वहां पहुंचा। उसने पहले जानबूझकर सियाराम को वैन से टक्कर मारी। जब वह सड़क पर गिर गए तो आरोपी ने चाकू से उन पर लगातार कई वार किए। पुलिस के मुताबिक शरीर पर करीब 17 वार किए गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी मृतक का मोबाइल फोन और करीब 1,200 रुपये लेकर फरार हो गया।

सीसीटीवी और तकनीकी जांच से खुली पूरी साजिश

शुरुआत में इस हत्या को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही थीं। कुछ लोगों ने संपत्ति विवाद का भी शक जताया था, लेकिन पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर मामले की परतें खोलनी शुरू कीं। जांच में एक संदिग्ध सफेद वैन दिखाई दी, जिसके बाद पुलिस की जांच मोहम्मद अरमान तक पहुंच गई।

पूछताछ में आरोपी ने हत्या की पूरी वारदात कबूल कर ली। उसने बताया कि वह लंबे समय से नशे का आदी है और नशे के लिए पैसों की जरूरत थी। इसी वजह से उसने राह चलते सियाराम श्रीवास्तव को निशाना बनाया। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने वारदात पूरी तरह लूट की नीयत से की थी।

पिता ने भी दिया साथ, हत्या के सबूत छिपाए

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि वारदात के बाद अरमान ने अपने पिता इम्तियाज अहमद को पूरी घटना बता दी थी। इसके बाद दोनों ने मिलकर खून से सने कपड़े, हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू, मृतक का मोबाइल फोन और अन्य सामान एक थैले में रखकर वैन की सीट के नीचे छिपा दिया। बाद में वैन को एक राइस मिल में खड़ा कर दिया गया ताकि किसी को शक न हो।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू, वैन, मृतक का मोबाइल, आधार कार्ड, नकदी और खून से सने कपड़े बरामद कर लिए हैं। चाकू मिलने के बाद मामले में आर्म्स एक्ट की धारा भी बढ़ा दी गई है। पिता की भूमिका सामने आने पर उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने यह भी दावा किया कि उसने करीब एक साल पहले एक अन्य युवक की भी इसी तरह वाहन से टक्कर मारकर हत्या की थी। हालांकि पुलिस फिलहाल इस दावे की अलग से जांच कर रही है और पुराने मामले के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि आरोपी की ओर से जिन्न और आवाज सुनाई देने जैसी बातें कही गई हैं, लेकिन शुरुआती जांच में यह सूखे नशे और मानसिक स्थिति से जुड़ा मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। आरोपी और उसके पिता के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

चकमार्ग पर अवैध कब्जा का मामला गरमाया

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के खरगसीपुर गांव में ग्राम सभा के चकमार्ग पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। मंगलवार को गांव के बृजेश कुमार, नागेश, धर्मेंद्र, राजेश, शिव शंकर और धनई सहित कई ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी मड़ियाहूं को प्रार्थना पत्र देकर चकमार्ग की पैमाइश कराकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गांव के कैलाशनाथ पुत्र राजाराम गौतम और देवनारायण पुत्र परशुराम गौतम द्वारा ग्राम सभा के चकमार्ग खाते की भूमि पर अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण कराया जा रहा है।प्रार्थना पत्र के अनुसार, चकमार्ग के बड़े हिस्से पर पहले से कब्जा था और अब शेष मार्ग पर भी ईंट की बाउंड्रीवाल बनाकर अवैध निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग पक्की सड़क से आबादी तक पहुंचने का मुख्य रास्ता था, जिसके अवरुद्ध होने से लोगों को दूसरे खेतों और चकमार्गों से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि राजस्व विभाग और स्थानीय पुलिस को सूचना देने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। विरोध करने पर विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो गई थी, जिसके बाद सूचना पर पहुंची डायल-112 पुलिस ने निर्माण कार्य रुकवाने में सहयोग किया।ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी से चकमार्ग की पैमाइश कराकर अवैध कब्जा हटाने और ग्राम सभा की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। प्रार्थना पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव राजस्व परिषद, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक जौनपुर को भी भेजी गई

बच्चों का बढ़ता वजन बन सकता है खतरा, अपनाएं ये हेल्दी हैबिट्स आज ही

आजकल बदलती लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह से कई बच्चों का वजन तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ता वजन आगे चलकर कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। आइए जानते हैं कि किन हेल्दी आदतों को अपनाकर इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

आजकल बच्चों की लाइफस्टाइल तेजी से बदल रही है। पहले जहां बच्चे ज्यादातर समय बाहर खेलते थे, वहीं अब उनका काफी समय मोबाइल, टीवी और दूसरे स्क्रीन वाली चीजों के साथ बीतता है। इसके साथ ही बाहर का खाना, मीठे पेय और पैकेट वाले स्नैक्स भी बच्चों की रोजमर्रा की आदत का हिस्सा बनते जा रहे हैं। इन कारणों से कई बच्चों का वजन तेजी से बढ़ रहा है।

बच्चों का बढ़ता वजन उनकी सेहत पर भी असर डाल सकता है। जरूरत से ज्यादा वजन बढ़ने पर बच्चे जल्दी थक सकते हैं, खेलने-कूदने में परेशानी हो सकती है और आगे चलकर कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ सकता है। इसलिए समय रहते इस पर ध्यान देना जरूरी है। अच्छी बात यह है कि रोजमर्रा की कुछ आसान आदतों को अपनाकर बच्चों का वजन कंट्रोल रखने में मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं बच्चों का बढ़ता वजन कम करने के लिए कौन-सी हेल्दी हैबिट्स अपनानी चाहिए और उनकी डाइट में क्या शामिल करना चाहिए।

मीठे पेय कम दें

कोल्ड ड्रिंक, पैकेट वाले जूस और ज्यादा चीनी वाले पेय की जगह बच्चों को सादा पानी, दूध या बिना चीनी वाले घर के बने पेय दें। मीठे पेय में कैलोरी ज्यादा होती है, जिससे वजन तेजी से बढ़ सकता है। पानी पीने की आदत भी बच्चों में जरूर डालें।

घर का हेल्दी खाना खिलाएं

बच्चों को ज्यादा से ज्यादा घर का ताजा बना खाना दें। बाहर का फास्ट फूड, तली हुई चीजें और पैकेट वाले स्नैक्स रोज खाने से बचाएं। घर का संतुलित भोजन शरीर को जरूरी पोषक तत्व देता है और वजन बढ़ने का खतरा कम करता है।

स्क्रीन टाइम कम करें

बच्चों का मोबाइल, टीवी और टैबलेट देखने का समय सीमित रखें। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठे रहने से शारीरिक एक्टिविटी कम हो जाती है, जिससे वजन बढ़ सकता है। खाली समय में उन्हें बाहर खेलने या किसी दूसरी एक्टिविटी के लिए प्रेरित करें।

पूरी नींद लेने दें

बच्चों के लिए अच्छी नींद भी उतनी ही जरूरी है, जितना सही खाना और शारीरिक एक्टिविटी। रोज समय पर सोने और उठने की आदत डालें। पर्याप्त नींद लेने से शरीर बेहतर तरीके से काम करता है और वजन बढ़ने का खतरा कम हो सकता है।

बच्चों की डाइट में क्या शामिल करना चाहिए?

बच्चों की डाइट में रोज ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, दूध, दही, पनीर, अंडा या दूसरी प्रोटीन वाली चीजें शामिल करें। खाने में ज्यादा चीनी, नमक और तली हुई चीजों की मात्रा कम रखें। पैकेट वाले स्नैक्स और मीठे पेय की जगह घर के बने हेल्दी विकल्प दें।

बच्चों को दिनभर पर्याप्त पानी पीने की आदत भी डालें। कोशिश करें कि उन्हें अलग-अलग तरह की पौष्टिक चीजें खाने को मिलें, ताकि शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिल सकें और उनका वजन भी संतुलित बना रहे।

माता-पिता किन बातों का रखें ध्यान?

बच्चों में अच्छी आदतें विकसित करने में माता-पिता की अहम भूमिका होती है। पूरे परिवार को हेल्दी खाने और एक्टिव रहने की आदत अपनानी चाहिए, क्योंकि बच्चे बड़ों को देखकर जल्दी सीखते हैं। बच्चों को खाना खाने के लिए डांटें नहीं और खाने का लालच भी न दें। उन्हें प्यार से हेल्दी खाना खाने की आदत डालें और उनकी पसंद का भी ध्यान रखें। अगर बच्चे का वजन लगातार बढ़ रहा है, तो बिना देरी किए बच्चों के डॉक्टर से सलाह लें। समय पर सही सलाह और छोटी-छोटी अच्छी आदतें बच्चों को लंबे समय तक स्वस्थ रखने में मदद कर सकती हैं।

रोज शारीरिक एक्टिविटी कराएं

सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (CDC) के अनुसार, बच्चों को हर दिन खेलने, दौड़ने, साइकिल चलाने या कोई पसंदीदा खेल खेलने के लिए प्रेरित करें। रोजाना शरीर को एक्टिव रखने से अधिक कैलोरी खर्च होती है और वजन कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। इससे बच्चे फिट रहते हैं और उनकी सेहत भी बेहतर बनी रहती है।

दिल को खतरा! नाश्ते में भूल से भी न करें ये गलतियां, हाई कोलेस्ट्रॉल की बनती हैं वजह

बैड कोलेस्ट्रॉल को लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एलडीएल) पुकारा जाता है। कोलेस्ट्रॉल की मात्रा जरूरत से ज्यादा बढ़ जाए तो ये आर्टरीज में अंदर की तरफ क्रिस्टल फॉर्म में जमने लगता है। इस प्लाक की वजह से आर्टरीज ब्लॉक होने लगतती है। मेडिकली इस कंडीशन को एथेरोस्क्लेरोसिस पुकार जाता है। ऐसे में हमारा ब्लड फ्लो बिगड़ने लगता है और कंडीशन हार्ट अटैक तक की बन जाती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि हाई कोलेस्ट्रॉल की अहम वजह गलत खानपान, तला-भुना और ट्रांस फैट है। फिजिकली एक्टिव न रहना, मोटापा, स्मोकिंग और दूसरी कई कारणों के चलते भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगता है।

क्या आप जानते हैं कि आप जो नाश्ते में खा रहे हैं उससे भी बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या हो सकती हैं। चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं कि नाश्ते की कौन सी गलतियां हमें बैड कोलेस्ट्रॉल का शिकार बनाती हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

डॉ। अमर सिंघल (डायरेक्टर कार्डियोलॉजी श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट दिल्ली) कहते हैं कि हाई कोलेस्ट्रॉल सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि हमारी रोजमर्रा की खानपान की आदतों से भी काफी हद तक प्रभावित होता है। एक कार्डियोलॉजी के नजरिए से अगर मैं बात करूं तो नाश्ते में बार-बार सैचुरेटेड फैट, ट्रांस फैट और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे तले हुए स्नैक्स, ज्यादा मक्खन या घी वाले पराठे, बेकरी प्रोडक्ट्स, प्रोसेस्ड मीट और मीठे सीरियल का सेवन शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) बढ़ा सकता है। समय के साथ यह एथेरोस्क्लेरोसिस की प्रक्रिया को तेज कर सकता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

चाय-बिस्कुट का नाश्ता

एक्सपर्ट कहते हैं कि नाश्ता छोड़ना या सिर्फ चाय-बिस्कुट पर निर्भर रहना भी सही आदत नहीं है। इससे ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव होता है, बाद में ज्यादा खाने की प्रवृत्ति बढ़ती है और वजन बढ़ने के साथ लिपिड प्रोफाइल पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है। दिल की सेहत के लिए नाश्ते में घुलनशील फाइबर, अच्छी गुणवत्ता वाला प्रोटीन और अनसैचुरेटेड फैट शामिल होना चाहिए।

इस तरह का रखें खानपान

ओट्स, दलिया, अंकुरित अनाज, अंडा, दही, मौसमी फल, बीज और सीमित मात्रा में सूखे मेवे बेहतर विकल्प हैं। यदि किसी व्यक्ति को हाई कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह, उच्च रक्तचाप या परिवार में हृदय रोग का इतिहास है, तो उसे नियमित लिपिड प्रोफाइल की जांच, संतुलित आहार और शारीरिक गतिविधि को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। सही नाश्ता दिल की बीमारियों से बचाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

क्या खराब नींद से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ सकता है

हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो दिल की बीमारियों और अन्य कई जटिलताओं का कारण बन सकती है। नींद की गुणवत्ता का हाई ब्लड प्रेशर पर गहरा असर पड़ता है। अगर आप रात को ठीक से सो नहीं पाते हैं तो इससे आपकी धड़कनें तेजी से चलने लगती हैं और आपका ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। आइए जानें कि सोने से पहले की गई गलतियां हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती हैं।

सोने से पहले भारी खाना खाना

सोने से पहले भारी खाना खाना एक आम गलती है, जिसे हमें सुधारने की जरूरत है। रात का खाना सोने से कम से कम 2-3 घंटे पहले कर लेना चाहिए।

भारी खाने से पेट पर दबाव पड़ता है, जिससे नींद खराब हो सकती है और ब्लड प्रेशर भी प्रभावित होता है।

इसके अलावा भारी खाने से एसिडिटी और पेट से जुड़ी अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकती हैं।

चाय या कॉफी का सेवन करना

सोने से पहले चाय या कॉफी जैसे पेय पदार्थों का सेवन भी हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकता है।

इनमें कैफीन होता है, जो नींद को प्रभावित कर सकता है और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है। कैफीन से शरीर में उत्तेजना बढ़ती है, जिससे नींद आने में दिक्कत होती है और ब्लड प्रेशर भी अस्थिर हो सकता है। इसलिए रात को सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें।

मोबाइल या टीवी का उपयोग करना

रात को सोने से पहले मोबाइल फोन, लैपटॉप या टीवी का उपयोग करना भी एक गलत आदत है। इन उपकरणों से निकलने वाली नीली रोशनी हमारी आंखों और दिमाग पर बुरा असर डालती है, जिससे नींद आने में कठिनाई होती है।

इसके अलावा रात में इनका उपयोग करने से हमारा दिमाग सक्रिय रहता है, जिससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। इसलिए सोने से पहले इनका उपयोग न करें।

तनावपूर्ण काम करना

सोने से पहले किसी भी प्रकार के तनावपूर्ण काम करना भी सही नहीं है। जैसे कि काम का बोझ या कोई गंभीर चर्चा करना इनसे बचना चाहिए। इनसे हमारा मन अशांत रहता है, जिससे नींद अच्छी नहीं आती और ब्लड प्रेशर भी प्रभावित होता है।

बेहतर होगा कि सोने से पहले कुछ हल्की-फुल्की गतिविधियां करें जैसे कि किताब पढ़ना या संगीत सुनना, जिससे मन शांत रहता है और नींद अच्छी आती है।

शराब का सेवन करना

रात को शराब पीना भी एक गलत आदत है। भले ही कुछ लोग मानते हों कि शराब पीने से नींद जल्दी आ जाती है, लेकिन यह गलत है। शराब पीने से नींद अच्छी नहीं आती और बार-बार उठना पड़ता रहता है।

इसके अलावा शराब पीने से ब्लड प्रेशर अस्थिर हो सकता है। इसलिए रात को शराब पीने से बचना चाहिए और इसके बजाय पानी या हर्बल चाय पीनी चाहिए।

आईटीआर फाइल करते समय बचाना चाहते हैं टैक्स, इन 6 जरूरी डिडक्शन को क्लेम करना न भूलें

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करते समय अधिकतर लोग अपनी आय और टैक्स की जानकारी तो सही भर देते हैं, लेकिन कई बार ऐसे महत्वपूर्ण टैक्स डिडक्शन का दावा करना भूल जाते हैं, जिनकी मदद से उनकी टैक्स देनदारी काफी कम हो सकती है। इसका नतीजा यह होता है कि करदाता जरूरत से ज्यादा टैक्स चुका देते हैं। यदि आपने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल करना है और पुराना टैक्स रिजीम चुना है, तो कुछ महत्वपूर्ण डिडक्शन का लाभ उठाकर अच्छी-खासी टैक्स बचत की जा सकती है।

ध्यान रखने वाली बात यह है कि नए टैक्स रिजीम में इन अधिकांश डिडक्शन का लाभ उपलब्ध नहीं होता। इसलिए रिटर्न दाखिल करने से पहले दोनों टैक्स रिजीम की तुलना जरूर कर लें, ताकि यह तय किया जा सके कि किस विकल्प में आपको अधिक बचत मिलेगी।

अगर आपने पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), टैक्स सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट, ईएलएसएस, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), सुकन्या समृद्धि योजना, जीवन बीमा प्रीमियम, बच्चों की ट्यूशन फीस या होम लोन के मूलधन का भुगतान किया है, तो सेक्शन 80सी के तहत अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक की टैक्स छूट का दावा किया जा सकता है। यह टैक्स बचाने का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला प्रावधान है।

वहीं, अगर आपने नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश किया है, तो सेक्शन 80सीसीडी(1बी) के तहत 50,000 रुपए तक की अतिरिक्त टैक्स छूट मिल सकती है। यह छूट सेक्शन 80सी से अलग होती है। यानी 80सी और 80सीसीडी(1बी) को मिलाकर कुल 2 लाख रुपए तक की टैक्स बचत संभव है।

यदि आपने अपने, जीवनसाथी, बच्चों या माता-पिता के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ली है, तो सेक्शन 80डी के तहत टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है। यह छूट परिवार की स्थिति और वरिष्ठ नागरिकों के आधार पर 25,000 से 1 लाख रुपए तक हो सकती है। हालांकि, प्रीमियम का भुगतान बैंकिंग माध्यम से किया गया होना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, उच्च शिक्षा के लिए लिया गया एजुकेशन लोन भी टैक्स बचाने में मदद करता है। सेक्शन 80ई के तहत एजुकेशन लोन पर

चुकाए गए ब्याज की पूरी राशि पर निर्धारित अवधि तक टैक्स छूट मिलती है। इसमें किसी अधिकतम सीमा का प्रावधान नहीं है। हालांकि, यह छूट केवल ब्याज पर मिलती है, लोन के मूलधन पर नहीं।

वहीं, अगर आपने सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था, ट्रस्ट या राहत कोष में दान दिया है, तो सेक्शन 80जी के तहत 50 प्रतिशत या 100 प्रतिशत तक टैक्स छूट मिल सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि दान किस संस्था को दिया गया है। डिडक्शन का दावा करने के लिए दान की रसीद और संबंधित संस्था का पंजीकरण विवरण सुरक्षित रखना जरूरी है।

इसके साथ ही, अगर आपने घर खरीदने के लिए होम लोन लिया है तो सेक्शन 24(बी) के तहत होम लोन के ब्याज पर 2 लाख रुपए तक की टैक्स छूट का लाभ लिया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह छूट केवल ब्याज पर मिलती है, जबकि होम लोन का मूलधन सेक्शन 80सी के तहत क्लेम किया जाता है।

रिटर्न दाखिल करने से पहले फॉर्म 16, एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) और फॉर्म 26एएस का मिलान जरूर कर लें, ताकि आपकी आय और टैक्स कटौती की जानकारी में कोई अंतर न रहे। जिन डिडक्शन का दावा करना है, उनसे जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें अपने पास रखें। साथ ही, अपनी आय और निवेश के अनुसार सही टैक्स रिजीम का चयन करें। बैंक खाते, पैन, आधार और अन्य व्यक्तिगत जानकारी सही दर्ज करें। सबसे महत्वपूर्ण बात, आईटीआर दाखिल करने के बाद ई-वेरिफिकेशन जरूर पूरा करें, क्योंकि इसके बिना आपकी रिटर्न प्रक्रिया अधूरी मानी जा सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आयकर रिटर्न भरना केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि सही टैक्स प्लानिंग का भी हिस्सा है। यदि आप उपलब्ध टैक्स डिडक्शन का सही तरीके से लाभ उठाते हैं और सभी जरूरी दस्तावेजों का मिलान करके रिटर्न दाखिल करते हैं, तो न केवल अतिरिक्त टैक्स देने से बच सकते हैं बल्कि भविष्य में किसी भी तरह की टैक्स संबंधी परेशानी से भी दूर रह सकते हैं।

एनवीडिया, ओपनएआई के मेगा डेटा सेंटर के लिए 250 अरब डॉलर की वित्तीय गारंटी देने के लिए कर रही बातचीत : रिपोर्ट

अमेरिका की टेक्नोलॉजी कंपनी एनवीडिया, यूएस में बनने वाले ओपनएआई के विशाल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेटा सेंटर प्रोजेक्ट के लिए करीब 250 अरब डॉलर की वित्तीय गारंटी उपलब्ध कराने पर बातचीत कर रही है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई है।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित वित्तीय समर्थन से चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई को दक्षिणी ओहायो में सॉफ्टबैंक की ऊर्जा इकाई द्वारा विकसित किए जा रहे 10 गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर परिसर को लीज पर लेने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस परियोजना की कुल लागत 500 अरब डॉलर से अधिक रहने का अनुमान है, जिसमें इस डेटा सेंटर को संचालित करने वाले एनवीडिया के एआई चिप्स की लागत भी शामिल है।

प्रस्तावित 250 अरब डॉलर की गारंटी डेटा सेंटर की लीज और डेट फाइनेंसिंग को कवर करेगी, लेकिन इसमें चिप्स की लागत शामिल नहीं होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, एनवीडिया ओपनएआई द्वारा 350 अरब डॉलर तक के एआई चिप्स की खरीद के लिए फाइनेंसिंग पर भी चर्चा कर रही है।

ओपनएआई के लिए यह समझौता अपनी खुद का एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने और उस पर नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इससे कंपनी माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और ओरेकल जैसे क्लाउड सेवा प्रदाताओं पर निर्भरता कम कर सकेगी।

वहीं, एनवीडिया के लिए यह व्यवस्था उसके एआई चिप्स की दीर्घकालिक मांग सुनिश्चित करने में मददगार होगी। इन चिप्स का उपयोग उन्नत एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने और संचालित करने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह वित्तीय सहायता उन निवेश ढांचों को भी मजबूत करेगी, जिनका उद्देश्य इस परियोजना के फंडिंग को लेकर ऋणदाताओं का भरोसा बढ़ाना है।

ओहायो में बनने वाली इस परियोजना का पहला चरण 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसमें लगभग 800 मेगावाट बिजली क्षमता उपलब्ध होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस परियोजना के लिए बिजली आपूर्ति का नियंत्रण अमेरिकी सरकार के पास होगा और इसकी फंडिंग जापान करेगा। यह हाल ही में हुए व्यापार समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत टोक्यो ने 33 अरब डॉलर के प्राकृतिक गैस संयंत्र में निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है।

इस महीने की शुरुआत में दक्षिण कोरिया के बड़े औद्योगिक समूहों और एनवीडिया सहित वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों ने करीब 950 अरब डॉलर मूल्य की कई सहयोगी परियोजनाओं की संभावनाओं पर सहमति जताई थी। यह जानकारी दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी की ओर से दी गई थी।

प्रस्तावित पहलों में एक दीर्घकालिक समझौता भी शामिल है, जिसके तहत एसके ग्रुप (एसके ग्रुप) वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों, जिनमें एनवीडिया भी शामिल है, को लगभग 750 अरब डॉलर मूल्य के उच्च-प्रदर्शन सेमीकंडक्टर उपलब्ध कराएगा। यह जानकारी राष्ट्रपति के नीति मामलों के प्रमुख सचिव किम योंग-बोम ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान दी।

यह सहमति सैन फ्रांसिस्को में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में बनी, जिसमें वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों और दक्षिण कोरिया के प्रमुख कारोबारी समूहों के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इनमें सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के कार्यकारी अध्यक्ष ली जे-योंग और एसके ग्रुप के चेयरमैन चे ताए-वोन शामिल थे।

बैठक में ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन और एनवीडिया के संस्थापक एवं सीईओ जेनसन हुआंग भी मौजूद रहे। उनकी भागीदारी अगली पीढ़ी के कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से विकसित करने के लिए एआई डेवलपर्स और सेमीकंडक्टर कंपनियों के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाती है।

कोई मुझे न बताए हमें क्या बेचना है और क्या नहीं... नेतन्याहू की आपत्ति पर बोले राष्ट्रपति ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी बेबाकी और बेअंदाजी के लिए दुनियाभर में जाने जाते हैं। ट्रंप ने कल सोमवार को तुर्की को अमेरिकी F-35 फाइटर जेट बेचने के मामले में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के विरोध को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी बाहरी नेता अमेरिका की हथियारों की बिक्री पर असर नहीं डालता है। साथ ही यह भी कहा कि कोई मुझे यह नहीं बताए कि हमें क्या बेचना चाहिए और क्या नहीं।

'एयर फोर्स वन' में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने तुर्की को हथियार दिए जाने पर इजराइली पीएम नेतन्याहू की चिंताओं को खारिज किया और तुर्की को एक

अमेरिका का "बेहतरीन सहयोगी" करार दिया। ट्रंप ने कहा, "कोई मुझे यह नहीं बताए कि हमें क्या बेचना चाहिए। तुर्की मेरे लिए हमेशा से एक बेहतरीन सहयोगी रहा है।"

राष्ट्रपति ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई है, जब नेतन्याहू कल सोमवार को ट्रंप के साथ हाई लेवल स्तरीय बातचीत के लिए वाशिंगटन पहुंचे। दोनों देशों के प्रमुखों के बीच बातचीत में क्षेत्रीय सुरक्षा और ईरान के साथ जारी संघर्ष मुख्य एजेंडा शामिल रहेगा। अखबार CNN की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में पीएम नेतन्याहू ने तुर्की को अमेरिकी F-35 स्टील्थ फाइटर जेट बेचने की संभावना का कड़ा विरोध जताया था। यही नहीं उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि ऐसा कदम क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को बदल देगा।

CNN को दिए इंटरव्यू में पीएम नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने निजी तौर पर राष्ट्रपति ट्रंप से इस बिक्री को अपनी मंजूरी नहीं देने का अनुरोध किया है क्योंकि अमेरिका की ओर से यह संकेत दिया गया कि वह अपने पहले कार्यकाल के दौरान लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने पर विचार कर रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा, "अमेरिका के सबसे आधुनिक फाइटर एयरक्राफ्ट के खरीदने मात्र से तुर्की अमेरिका का मित्र देश नहीं हो जाएगा।"

क्यों डील का विरोध कर रहे PM नेतन्याहू

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अंकारा एक ऐसी सरकार है जो 'मुस्लिम ब्रदरहुड' से प्रभावित है और अमेरिका से नफरत भी करती है। इजराइली पीएम ने कहा, "वह अमेरिका का आदर्श सहयोगी भी नहीं है।"

CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, "वह मेरे देश, यानी एकमात्र यहूदी देश को बर्बाद करने की धमकी दे रहा है।" नेतन्याहू ने आगाह भी किया कि तुर्की को ये विमान देने से इलाके में बड़े नतीजे सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सीधे तौर पर ट्रंप से गुजारिश की है कि वे तुर्की को फाइटर जेट न बेचें, क्योंकि ऐसा करने से "मध्य पूर्व में ताकत का संतुलन बिगड़ जाएगा।"

तुर्की हमारे लिए कहीं अधिक वफादार : ट्रंप

अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह बात तब सामने आई जब राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन जल्द ही तय करेगा कि कांग्रेस की रोक के बावजूद तुर्की को F-35 फाइटर जेट बेचे जाएं या नहीं। साथ ही, उन्होंने यह भी ऐलान किया कि अंकारा की ओर से रूसी S-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने पर लगाए गए प्रतिबंध हटा लिए जाएंगे।

तुर्की को फाइटर जेट दिए जाने को लेकर ट्रंप ने कहा, "तुर्की के साथ हमारे संबंध बेहतर रहे हैं, और तुर्की कई मामलों में उन देशों की तुलना में कहीं अधिक वफादार रहा है जिनके बारे में हमें लगता था कि वे वफादार होंगे।" उन्होंने यह तर्क भी दिया कि कई लोगों का मानना है कि रूसी S-400 सिस्टम खरीदने के बावजूद तुर्की को F-35 खरीदने की इजाजत दी जानी चाहिए।

F-35 जेट को "अब तक का सबसे बेहतरीन जेट" करार देते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि प्रस्तावित बिक्री "निश्चित रूप से ऐसी चीज है जिस पर हम विचार करेंगे।" CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने संकेत दिया कि अंकारा को लगता है कि वह अमेरिकी F-35 फाइटर जेट और तुर्की के अपने KAAN फाइटर एयरक्राफ्ट के लिए अमेरिकी इंजन खरीदने की डील के करीब है।

नीरव मोदी को अब तक भारत की जेल में होना चाहिए था अपने ही देश के सिस्टम पर भड़कीं यूके की पूर्व गृह मंत्री, उठाए ये सवाल

ब्रिटेन। भारत के भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण में हो रही देरी को लेकर ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री प्रीति पटेल ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने अपनी ही सरकार और कानूनी प्रक्रिया पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस मामले में देरी होने की वजह से भारत और ब्रिटेन के के रिश्तों पर भी नकारात्मक असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि इतनी लंबी देरी से भारत के साथ भरोसा कम हुआ है।

'द डेली टेलीग्राफ' के पॉडकास्ट द डायमंड किंग में बातचीत के दौरान प्रीति पटेल ने कहा कि उन्हें यह देखकर हैरानी और निराशा होती है कि प्रत्यर्पण आदेश पर हस्ताक्षर किए जाने के सालों बाद भी नीरव मोदी अब तक ब्रिटेन में मौजूद है।

प्रीति पटेल ने अप्रैल 2021 में भगोड़े हीरा व्यापारी के प्रत्यर्पण नीरव मोदी के प्रत्यर्पण आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इससे पहले ब्रिटेन की अदालतों ने माना था कि भारत में उसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार मौजूद हैं। अप्रैल ने कहा कि उन्हें इस बात से बहुत हैरानी और दुख है कि मोदी अभी भी UK में ही है।

ब्रिटेन के सिस्टम पर उठाए सवाल

उन्होंने कहा कि पंजाब नेशनल बैंक (PNB) में कथित तौर पर 2 अरब डॉलर की धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में वांटेड कारोबारी को प्रत्यर्पित न कर पाने के कारण भारत सरकार बेहद नाराज़ थी। उन्होंने कहा कि अगर हमारा सिस्टम प्रक्रियाओं और बहानेबाज़ी में उलझे रहने की बजाय समझदारी से काम करता और सही कदम उठाता तो मोदी इस देश में नहीं होता और वो अब तक भारत भेजा जा चुका होता। उन्होंने आगे कहा कि इस देरी की वजह से भारत को हमारे साथ काम करने को लेकर काफी निराशा हुई है।

'अब तक भारत की जेल में होता नीरव'

प्रीति पटेल ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद नीरव मोदी को अब तक भारत में अपनी सज़ा काटनी शुरू कर देनी चाहिए थी। उन्होंने कहा 'उसे भारत की जेल में अपनी सज़ा काटनी चाहिए थी, और यह सब कानूनी प्रक्रिया के तहत होना चाहिए था, यही तो UK के प्रत्यर्पण कानूनों और संधियों का मकसद है'। उन्होंने इस लंबी देरी को ब्रिटेन के सिस्टम का खुला दुरुपयोग और ब्रिटिश टैक्सपेयर्स का अपमान बताया।

भारत-ब्रिटेन संबंधों पर भी पड़ा असर

उन्होंने दावा किया कि 2019 से 2022 के बीच उनके होम सेक्रेटरी रहने के दौरान इस मामले ने डिप्लोमैटिक चुनौतियां भी खड़ी कीं। उन्होंने बताया कि जब तक प्रत्यर्पण का मामला सुलझा नहीं, तब तक भारत उन लोगों को वापस लेने में सहयोग करने को तैयार नहीं था जिनकी शरण की अर्ज़ी नामंज़ूर हो गई थी। उन्होंने कहा 'भारत को शरण की अर्ज़ी नामंज़ूर होने वाले लोगों को वापस लेने के लिए राज़ी करना मेरे लिए बहुत बड़ी चुनौती थी। और मेरा मानना है कि ऐसा इसलिए था क्योंकि हमारे पास (नीरव मोदी का) यह हाई-प्रोफाइल मामला था और उस समय एक और हाई-प्रोफाइल मामला भी था।जब तक उन्होंने (भारत ने) उन मामलों में कोई कार्रवाई या प्रगति नहीं देखी, तब तक उनके पास हमारे ऊपर दबाव बनाने का एक ज़रिया था, जो बहुत निराशाजनक था'।

नीरव की उसकी आखिरी अपील भी खारिज

नीरव मोदी ने UK में अपने सभी कानूनी विकल्प आज़मा लिए हैं और खबर है कि यूरोपियन कोर्ट ऑफ़ ह्यूमन राइट्स में उसकी आखिरी अपील भी खारिज हो गई है। मानवाधिकारों के आधार पर अपील और शरण के गोपनीय दावे समेत कई सालों की कानूनी चुनौतियों के बाद अब उनके भारत प्रत्यर्पण को लगभग तय माना जा रहा है।

लंदन की पेंटनविल जेल में बंद है नीरव

55 वर्षीय नीरव मोदी फिलहाल लंदन की पेंटनविल जेल में बंद है। भारत में उसके खिलाफ तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें पंजाब नेशनल बैंक (PNB) से करीब 2 अरब डॉलर की कथित धोखाधड़ी का सीबीआई मामला, प्रवर्तन निदेशालय (ED) का मनी लॉन्ड्रिंग मामला और सबूतों एवं गवाहों से छेड़छाड़ से जुड़ा मामला शामिल है।

रक्षा, परमाणु और AI... भारत-अमेरिका में बड़ी डील, इकॉनमी को मिलेगा तगड़ा बूस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी विदेश उप-सचिव एस पॉल कपूर ने कहा कि अमेरिका और भारत मिलकर रक्षा और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में और ज्यादा काम करेंगे। दोनों देश मिलकर सुरक्षित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और ऐसी नई तकनीकों पर काम कर रहे हैं, जिससे व्यापार और अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। कपूर ने ये बातें हूवर इंस्टीट्यूशन में भारत पर आयोजित एक राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस में कहीं।

इस बैठक में अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस और भारत में पूर्व अमेरिकी राजदूत डेविड सी मुलफोर्ड भी शामिल थे। पॉल कपूर ने ट्वीट कर कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका और भारत के संबंध मजबूत होने से भारत में रोजगार (नौकरियां) बढ़ रहे हैं। इससे दोनों देशों के बीच सामानों की सप्लाई चेन बेहतर हो रही है, जो भारत, अमेरिका और इस पूरे इलाके के लिए बहुत फायदेमंद है।

'रक्षा, परमाणु और AI में बढ़ाएंगे सहयोग'

वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि दोनों देश मिलकर रक्षा, परमाणु ऊर्जा और भरोसेमंद AI जैसी नई तकनीकों पर काम बढ़ा रहे हैं। इसका मकसद दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है। बता दें कि पिछले साल दोनों देशों ने एक बड़ा रक्षा समझौता किया था। इसके तहत जमीन, समुद्र, हवा, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस जैसी हर जगह दोनों देशों की सेनाएं मिलकर काम करेंगी।

भारत ने अमेरिका से क्या-क्या खरीदा?

साल 2002 से अब तक भारत ने अपनी सेना के लिए अमेरिका से कई बड़े और आधुनिक हथियार खरीदे हैं। इनमें अपाचे और चिनूक हेलीकॉप्टर शामिल हैं। इसके अलावा सी-17 और सी-130जे परिवहन विमान, पी-8आई समुद्री गश्ती विमान और एम777 हॉवित्जर तोप शामिल हैं। भारत सरकार ने हाल ही में नियमों में कुछ ढील दी है। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों की एक टीम भारत आई थी ताकि वे भारतीय प्राइवेट कंपनियों के साथ मिलकर काम शुरू कर सकें।

पुलिसकर्मियों के खिलाफ हिंसा का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, गाइडलाइंस तय करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेतृत्व में नीट पेपर लीक को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा हुई थी, जिसमें न सिर्फ प्रदर्शनकारी बल्कि कई पुलिसकर्मी भी गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। वहीं अब पुलिसकर्मियों के खिलाफ हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है।

जानकारी के मुताबिक घायल हुए पुलिस अधिकारियों के परिवारों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में ड्यूटी के दौरान हिंसा का सामना करने वाले पुलिसकर्मियों के लिए मजबूत कानूनी सुरक्षा और स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने की मांग की गई है। यह याचिका ACP कैलाश सिंह बिष्ट, ASI संदीप, कांस्टेबल धीरज और ASI हेमेन्दर राठी के परिजनों की तरफ से दायर की गई है। ये सभी सभी जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान ड्यूटी पर घायल हो गए थे।

याचिका में कोर्ट से मांग की गई है कि पुलिसकर्मियों को भी जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का समान संरक्षण मिले और पुलिस के खिलाफ हिंसा भड़काने या उकसाने वाले लोगों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए जाएं। इसके साथ ही ये भी कहा गया है कि ड्यूटी पर तैनात पुरुष और महिला पुलिसकर्मियों की सुरक्षा के लिए स्पष्ट गाइडलाइन बनाई जाए।

'अधिकारों की रक्षा के लिए दिशा-निर्देश जरूरी'

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान पुलिसकर्मी अक्सर हिंसा का सामना करते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट दिशा-निर्देश जरूरी हैं। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को भी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

सुप्रीम कोर्ट पुलिस कार्रवाई पर कर रहा सुनवाई

यह याचिका ऐसे समय में दायर की गई है, जब सुप्रीम कोर्ट सार्वजनिक प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई और कथित ज्यादती से जुड़े मामलों की भी सुनवाई कर रहा है। हाल ही में अदालत ने कहा था कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है और इसे छीना नहीं जा सकता। कोर्ट ने कहा कि शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके विरोध का अधिकार संविधान द्वारा सुरक्षित किया गया है और सिर्फ विरोध-प्रदर्शन के आधार पर लाठीचार्ज को सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि पूरे देश में शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के लिए एक समान प्रोटोकॉल तैयार करने पर विचार किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि जहां नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, वहीं प्रशासन के पास ऐसे असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए भी स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए, जो प्रदर्शन के दौरान हिंसा फैलाने की कोशिश करते हैं।

प्रभास की स्पिरिट में कैटरीना कैफ की एंट्री? 2 साल बाद एक्ट्रेस की बड़े पर्दे पर होगी वापसी?

साउथ सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं. कुछ महीने पहले ही दीपिका पादुकोण इस फिल्म से बाहर हो चुकी हैं, जिसके बाद फिल्म में तृप्ति डिमरी और प्रभास की जोड़ी देखने को मिलेगी. इसी बीच फिल्म से जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है कि एक्ट्रेस कैटरीना कैफ भी फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं, जो फैंस के बीच चर्चा में है.

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के मेकर्स कैटरीना कैफ से कैमियो के लिए बात कर रहे हैं. फिल्म में उनका स्क्रीन टाइम कम हो सकता है, लेकिन वो एक मजबूत किरदार में दिखाई देंगी. अगर कैटरीना फिल्म में नजर आती हैं, तो ये उनके फैंस के लिए बहुत खास होने वाला है. शादी के बाद बड़े पर्दे पर वो बहुत कम दिखाई दी है और कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं पाई. इसीलिए स्पिरिट उनकी बड़ी फिल्मों में से एक हो सकती हैं. हालांकि कैटरीना या मेकर्स ने इसे लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया हैं.

बता दें कि संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में नजर आने वाली थी. लेकिन न्यूज 18 शोशा के अनुसार, उन्होंने मेकर्स से 8 घंटे की शिफ्ट, 25 करोड़ फीस के अलावा फिल्म के प्रॉफिट का 10त्न की मांग की थी. इसी वजह से मेकर्स और उनके बीच बात नहीं बनी और उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया. इसके बाद तृप्ति डिमरी को फिल्म के लिए चुना गया और वो दीपिका से कम फीस ले रही हैं.

वहीं बात करें कैटरीना की, तो उन्होंने करीब 20 साल पहले मल्लीस्वरी में वेंकटेश और अल्लारी पिडुगु में नंदामुरी बालकृष्ण के साथ तेलुगु फिल्म में काम किया था. बाद में वो बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय रही और आखिरी बार उन्हें 2024 में मेरी क्रिसमस फिल्म में विजय सेतुपति के साथ देखा गया.

बॉक्स ऑफिस पर गट्टा कुश्ती 2 बनीं ऐश्वर्या लक्ष्मी की तीसरी हाईएस्ट ग्रॉसर, एक और बनाया रिकॉर्ड

बॉक्स ऑफिस पर अक्सर छोटे बजट की फिल्में धाकड़ कलेक्शन करती हैं। बॉलीवुड से ज्यादा साउथ की फिल्मों का बोलबाला देखने के लिए मिल रहा है। ऐसे में तमिल की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म गट्टा कुश्ती 2 ने शानदार बिजनेस कर लिया है। फिल्म रिलीज होते ही छा गई थी। इसमें कोई बड़ी स्टारकास्ट नहीं है। अब फिल्म ने एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। चलिए बताते हैं इसके बारे में।

फिल्म गट्टा कुश्ती 2 का बॉक्स ऑफिस पर जलवा देखने के लिए मिला। ऐश्वर्या लक्ष्मी की इस फिल्म ने हाईएस्ट ग्रॉसिंग की लिस्ट में एंट्री कर चुकी है। फिल्म चौथे हफ्ते भी अच्छी खासी कमाई कर रही है और

रिपोर्ट के अनुसार, इसका नेट कलेक्शन 40 करोड़ के पार हो गया है और फिल्म मामन को इसे पछाड़ दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, गट्टा कुश्ती 2 ने 16 दिनों के बाद फिल्म का नेट कलेक्शन 40।69 करोड़ हो चुका है। इसने ऐश्वर्या लक्ष्मी की 2025 में आई फिल्म मामन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया, जिसका लाइफटाइम नेट कलेक्शन 40।20 करोड़ था।

गौरतलब है कि गट्टा कुश्ती 2 की कमाई में थलापति विजय की फिल्म जन नायकन की रिलीज के बाद ब्रेक लग गया है। जन नायकन रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर गर्दा ही उड़ा दिया है। इसने तमिल ही नहीं बल्कि बॉलीवुड फिल्मों की भी छुट्टी कर दिया है।

बहरहाल, अगर फिल्म के प्रॉफिट की बात की जाए तो गट्टा कुश्ती 2 का नेट कलेक्शन 40।69 करोड़ हो चुका है और कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, इसकी बजट 27 करोड़ है। इस लिहाज से फिल्म ने अच्छा खासा प्रॉफिट कमा लिया है। फिल्म ने 50।70त्न प्रॉफिट कमा लिया है।

इसके अलावा अगर फिल्म गट्टा कुश्ती 2 के बारे में बात की जाए तो ये एक स्पोर्ट्स ड्रामा तमिल फिल्म है। इसका निर्देशन निर्देशन चेल्ला अय्यावु ने किया है। फिल्म में ऐश्वर्या लक्ष्मी के साथ ही एक्टर विष्णु विशाल ने लीड रोल प्ले किया है।

डी55 के शीर्षक से उठा पर्दा, धनुष और राजकुमार पेरियासामी की फिल्म ओम : चैप्टर 1 से पोस्टर भी जारी

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले धनुष की डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी के साथ 55वीं फिल्म का ऑफिशियल टाइटल तमिल में ओमः चैप्टर 1 और तेलुगु में ओमः फर्स्ट स्ट्राइक रखा गया है। आर टेक स्टूडियोज और वंडरबार फिल्म्स मिलकर इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं और यह उनका पहला साथ में किया गया प्रोजेक्ट है। हाल ही में कास्ट, क्रू और मीडिया की मौजूदगी में इसका टाइटल लॉन्च किया गया।

अमरन की पैन-इंडिया सफलता के बाद, राजकुमार पेरियासामी इस बड़े बजट वाले एक्शन ड्रामा को डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है। टीम ने कन्फर्म किया है कि सिनेमैटोग्राफर एझिलारसु, अमरन और करुप्पु के एडिटर कलाईवानन और म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर टेक्निकल क्रू का हिस्सा हैं।

मेकर्स ने पोस्टर के बजाय एक खास वीडियो के ज़रिए धनुष के किरदार को दिखाते हुए ओम का खुलासा किया। डायरेक्टर राजकुमार ने कहा कि इस टाइटल के स्पिरिचुअलिटी

(आध्यात्मिकता) से परे कई गहरे मतलब हैं। फिल्म के रिलीज होने से पहले आने वाले महीनों में लीड किरदारों के टीज़र और ट्रेलर जारी किए जाएंगे।

ओम में धनुष, साई पल्लवी, श्रीलीला और मलयालम सुपरस्टार ममूटी (एक अहम रोल में) जैसे कई बड़े कलाकार शामिल हैं। इंडस्ट्री में चर्चा है कि यह तमिल सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होगी। वंडरबार और आर टेक स्टूडियो को फिल्म के बड़े स्केल और कहानी पर बहुत भरोसा है।

डिवो म्यूज़िक और वार्नर म्यूज़िक इंडिया इसके ऑडियो का काम संभालेंगे। अमरन के साथ राजकुमार की सफलता को देखते हुए, इस फिल्म से बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं। ओमः चैप्टर 1 को 16 अक्टूबर, 2026 को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा और यह पहले से ही उस साल की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जाने वाली तमिल फिल्मों में से एक बन गई है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com